www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 329 || लखनऊ
शुक्रवार
06 मार्च 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:25
सूर्यास्तः 06:10
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 19°00

पेज 03

विशेष समाचार आवेग को आनंद से भरने वाला पर्व... >> पेज 02

पूर्व एमएलसी का भतीजा बाल... >>पेज 04

हर दिन मिलती हैं रेप की धमकियां...

इजराइल-ईरान जंग जल्द खत्म हो : मोदी

सैन्य संघर्ष किसी समस्या का समाधान नहीं, ईरान में अब तक 1000 लोगों की मौत

- फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब और पीएम मोदी ने दिल्ली के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता की।
- पीएम मोदी ने फिनलैंड के राष्ट्रपति के साथ बैठक के बाद दिल्ली में जॉइंट मीडियो कॉन्फ्रेंस की।

अपील

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री Narendra Modi ने गुरुवार को मिडिल ईस्ट और यूक्रेन में जारी युद्ध को जल्द खत्म करने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी विवाद का समाधान सैन्य संघर्ष से नहीं हो सकता और सभी पक्षों को शांति व संवाद के रास्ते पर आगे बढ़ना चाहिए। प्रधानमंत्री ने यह बात Alexander Stubb के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद कही। उन्होंने कहा कि भारत और फिनलैंड दोनों ही कानून के शासन, संवाद और कूटनीति में विश्वास रखते हैं। भारत सभी विवादों के शांतिपूर्ण समाधान और वैश्विक शांति के प्रयासों का समर्थन करता रहेगा। फिनलैंड के राष्ट्रपति Alexander Stubb चार दिवसीय भारत दौरे पर आए हैं। इस यात्रा का उद्देश्य व्यापार, निवेश और उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग को मजबूत करना है। बैठक के दौरान भारत और फिनलैंड ने डिजिटलाइजेशन और सस्टेनेबिलिटी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। दोनों देशों ने अपने संबंधों को भविष्य में रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने पर भी चर्चा की। राष्ट्रपति स्टब ने भारत की विदेश नीति और आर्थिक प्रगति की प्रशंसा करते हुए कहा कि दुनिया को थोड़ा और "भारतीय" बनने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और वैश्विक स्तर पर प्रभावशाली देशों में शामिल है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और पिछले एक दशक में देश में व्यापक परिवर्तन देखने को मिला है। उनकी पिछली भारत यात्रा 2013 में हुई थी और तब से भारत में काफी बदलाव आया है। फिनलैंड के राष्ट्रपति चार दिवसीय भारत दौरे पर आए हैं। इस यात्रा का उद्देश्य व्यापार, निवेश और उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग को मजबूत करना है।बैठक के दौरान भारत और फिनलैंड ने डिजिटलाइजेशन और सस्टेनेबिलिटी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई।

> *मोदी ने कहा, 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, 6जी टेलीकॉम, स्वच्छ ऊर्जा और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे हाई-टेक क्षेत्रों में सहयोग से दोनों देश आगे बढ़ेंगे। भारत-यूरोपीय फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) भारत और फिनलैंड के बीच व्यापार, निवेश और तकनीकी सहयोग को और मजबूत करेगा। राष्ट्रपति स्टब ने आयरनमैन ट्रायथलॉन पूरा किया है, जो बेहद कठिन प्रतियोगिता मानी जाती है।*

मिडिल ईस्ट में जारी है भीषण संघर्ष

मिडिल ईस्ट में Israel और Iran के बीच पिछले छह दिनों से संघर्ष जारी है। रिपोर्ट्स के अनुसार इस दौरान हजारों बम गिराए गए हैं और कई युद्धपोतों को नुकसान पहुंचा है। हमलों में एक हजार से अधिक लोगों के मारे जाने की भी खबर है। बताया जा रहा है कि ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए मिडिल ईस्ट के कई देशों में बने अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला किया है, जिससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है।

हर साल भर्ती होंगे 14000 कर्मी

दिल्ली मेट्रो के 70 लाख यात्रियों सहित रोजाना एक करोड़ लोगों की सुरक्षा

मंजूरी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गत वर्ष केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की अधिकृत अधिकतम संख्या को 02 लाख से बढ़ाकर 2.2 लाख कर्मियों तक करने की मंजूरी दी है। अगस्त 2025 में स्वीकृत यह 10 प्रतिशत की वृद्धि हवाई अड्डों, बंदरगाहों और औद्योगिक केंद्रों जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से की गई है। अगले पांच वर्षों तक प्रतिवर्ष लगभग 14000 कर्मियों की भर्ती की जाएगी। सीआईएसएफ द्वारा दिल्ली मेट्रो के

70 लाख यात्रियों सहित रोजाना एक करोड़ लोगों की सुरक्षा की जा रही है। इस संख्या में हवाई अड्डे पर 15 लाख यात्री और तैनाती की अन्य इकाइयों में 15 लाख लोग भी शामिल हैं। पिछले 57 वर्षों में, सीआईएसएफ की क्षमता और सामर्थ्य में कई गुना वृद्धि हुई है।

>> (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

आरएसएस कार्यकर्ताओं से जमीनी फीडबैक ले रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

यूपी चुनाव को लेकर सक्रिय हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पदाधिकारियों से मिलकर जमीनी फीडबैक ले रहे हैं। गुरुवार को उन्होंने गाजियाबाद में भाजपा-आरएसएस की संगठनात्मक समन्वय बैठक में हिस्सा लिया और स्वयंसेवकों से लंबी बातचीत की। बैठक में संघ के पदाधिकारियों के अलावा स्थानीय भाजपा नेता शामिल थे।

भाजपा की 2024-25 में इनकम 6769.14 करोड़ रही

नई दिल्ली। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ADR) ने वित्तीय साल 2024-25 के लिए राष्ट्रीय पार्टियों की इनकम जारी की। रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी की कुल आय 6,769.15 करोड़ है। 6 राष्ट्रीय पार्टियों की आय का 85% हिस्सा अकेले भाजपा के पास है। बीजेपी की इनकम पिछले साल के मुकाबले 55.95% और कांग्रेस से करीब 7 गुना ज्यादा है। देश के 6 प्रमुख राष्ट्रीय दलों भाजपा, कांग्रेस, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (CPI-M), आम आदमी पार्टी (AAP), बहुजन समाज पार्टी (BSP) और नेशनल पीपुल्स पार्टी (NPEP) की कुल आय 7,960 करोड़ रुपए दर्ज की गई।

बेंगलुरु- सॉफ्टेयर इंजीनियर महिला ने सुसाइड किया

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु में महिला ने सास से झगड़ा होने पर सुसाइड कर लिया। घटना 4 मार्च को नॉर्थ बेंगलुरु के इलाके में हुई। पुलिस ने बताया कि 35 साल की मृतक महिला सुषमा आईटी कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर थी। सुषमा की 5 साल पहले पुनीत कुमार से शादी हुई थी, दोनों का 4 साल का बेटा भी है।

पश्चिम बंगाल मतदाता सूची में एसआईआर का खेला

टीएमसी के गढ़ में सेंध, पार्टी की रणनीति में बदलाव की जरूरत

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में चलाए गए 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) अभियान ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के चुनावी समीकरणों को हिलाकर रख दिया है। इस अभियान का सबसे गहरा असर उन मुस्लिम-बहुल क्षेत्रों और खासकर दो प्रमुख जिलों- उत्तर और दक्षिण 24 परगना पर पड़ा है, जो टीएमसी के पारंपरिक गढ़ माने जाते हैं। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी अब अधिक मतदान, बंगाली अस्मिता और महिला व अल्पसंख्यक मतदाताओं के एकजुट होने पर भरोसा कर रही है, ताकि इस प्रभाव को कम किया जा सके। यह मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान विशेष रूप से उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24

परगना, मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर दिनाजपुर और दक्षिण दिनाजपुर जिलों में सबसे अधिक प्रभावी रहा है। ये छह जिले मिलकर 100 से अधिक विधानसभा सीटों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिनमें से अकेले दो 24 परगना जिलों में 64 सीटें हैं। टीएमसी के एक वरिष्ठ नेता ने स्वीकार किया कि उत्तर और दक्षिण 24 परगना पर नियंत्रण अक्सर बंगाल पर शासन करने वाले को तय करता है।

नीतीश ने राज्यसभा के लिए भरा नामांकन

बोले- नई सरकार को सहयोग रहेगा, गृह विभाग पर ठोका दावा, जेडीयू ऑफिस में तोड़फोड़

तमसा संकेत, एजेंसी

पटना। बिहार के CM नीतीश कुमार ने गुरुवार को विधानसभा पहुंचकर राज्यसभा कैंडिडेट के लिए नामांकन दाखिल किया। CM के साथ बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन, रामनाथ ठाकुर, उपेन्द्र कुशवाहा और शिवेश कुमार ने भी नामांकन दाखिल किया। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। नामांकन के बाद JDU ने गृह विभाग पर अपना दावा ठोका है। अभी ये BJP के पास है। सम्राट चौधरी बिहार के गृहमंत्री हैं। वहीं, जदयू के सूत्रों के अनुसार सीएम नीतीश ने बेटे निशांत कुमार 8 मार्च (रविवार) को जेडीय जॉइन करेंगे। इसके बाद पार्टी में निशांत के आगे की भूमिका तय की जाएगी। पार्टी के नेता बैठक में इसपर फैसला लेंगे। नीतीश कुमार ने निशांत

कुमार के ज्वाइनिंग को लेकर हरी झंडी दे दी है। निशांत की ज्वाइनिंग आज ही होनी थी। इसको लेकर जेडीयू कार्यालय में कार्यकर्ता के लिए भोज का इंतजाम किया गया था। लेकिन राज्यसभा नामांकन कार्यक्रम के कारण ज्वाइनिंग नहीं हुई।

>> (शेष पेज 04 पर)

नीतीश बोले- नई सरकार को पूरा सपोर्ट

नामांकन से पहले नीतीश कुमार ने अपने X पर लिखा कि, 'संसदीय जीवन शुरू करने के समय से ही मेरे मन में एक इच्छा थी कि मैं बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों के साथ संसद के भी दोनों सदनों का सदस्य बनूं। इसी क्रम में इस बार हो रहे चुनाव में राज्यसभा का सदस्य बनना चाह रहा हूं। बिहार की नई सरकार को मेरा सपोर्ट रहेगा।' नीतीश के ऐलान पर तेजस्वी यादव ने कहा है कि, बिहार में महाराष्ट्र मॉडल बीजेपी ने लागू किया है। भाजपा ने नीतीश कुमार को इतना टॉर्चर किया कि उन्हें इस्तीफा देना पड़ रहा है। बीजेपी अपनी सहयोगी पार्टी को खत्म कर देती है। बीजेपी ने नीतीश को हाईजैक किया है। उन्हें कहीं नहीं जाने देंगे। हम अपनी जान दे देंगे। CM हाउस के बाहर कार्यकर्ता रोते दिखे।

शाह बोले- मैं नीतीश कुमार जी का स्वागत करता हूं

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, आज बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी राज्यसभा में अपना नामांकन दाखिल किया है। इसके साथ ही बहुत ही लंबे अरसे के बाद नीतीश कुमार फिर से एक बार राष्ट्रीय राजनीति में राज्यसभा सांसद के नाते प्रवेश करेंगे। 2005 से लेकर आज तक नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री रहे। उनका ये कार्यकाल बिहार के इतिहास में स्वर्णिम पृष्ठ के रूप में लिखा जाएगा और बिहार के विकास के सारे मायने को उन्होंने गति देने का काम किया। उन्होंने न केवल बिहार की सड़कों को गांव तक जोड़ा, उसकी स्थिति में भी सुधार किया।

> केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने किया एक्स पर लिखा- मुख्यमंत्री जी ने अपने लंबे राजनीतिक अनुभव और लगभग दो दशकों तक बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में रहते हुए राज्य में अनेक विकास परियोजनाओं को धरातल पर उतारा। उनके नेतृत्व में बिहार ने विकास, सुशासन और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में नई पहचान बनाई।

जेडीयू बोली- नीतीश कुमार के योगदान की चर्चा दशकों तक होती रहेगी

जदयू के प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि, नीतीश कुमार के योगदान की चर्चा दशकों तक होती रहेगी। कार्यकर्ताओं के लिए इस फैसले को आत्मसात करना बहुत सहज नहीं है लेकिन उन्होंने अपनी भावनाएं एक्स पर रखी हैं।

के बाद जदयू कार्यकर्ता गुस्से में हैं। उनका कहना है कि 2025 से 2030 के लिए जनता का जनादेश मिला था। कुछ लोगों ने पार्टी तोड़ने का काम किया है। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले के बाद जदयू कार्यकर्ताओं में गुस्सा दिख रहा है। कार्यकर्ता पार्टी दफ्तर में प्रदर्शन कर रहे हैं। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने ललन सिंह के खिलाफ नारेबाजी की।

खबर से जुड़े हाईलाइट्स

बेगूसराय, नालंदा समेत कई जिलों में नीतीश के राज्यसभा जाने का विरोध हो रहा है।
नीतीश के राज्यसभा जाने से नाराज कार्यकर्ताओं ने JDU ऑफिस में तोड़फोड़ की।
JDU ऑफिस में कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया। ललन सिंह के विरोध में नारे लगे।
कार्यकर्ताओं का गुस्सा देखते हुए JDU ऑफिस का गेट बंद कर दिया गया है।
मंत्री मदन सहनी सुबह CM हाउस पहुंचे, लेकिन उन्हें मुख्यमंत्री से मिलने का वक्त नहीं मिला।
CM हाउस पहुंचे JDU विधायक प्रेम मुखिया का कार्यकर्ताओं ने विरोध किया। गाड़ी को आगे नहीं बढ़ने दिया।
मुख्यमंत्री आवास के बाहर JDU कार्यकर्ताओं ने ललन सिंह, विजय चौधरी, संजय झा मुर्दाबाद के नारे लगाए।
ललन सिंह ने कहा, CM का जो फैसला होगा, सभी को मानना होगा।

अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग, कोलकाता-दुबई फ्लाइट शुरू

स्पाइसजेट की यूएई से दिल्ली-मुंबई के लिए 13 स्पेशल फ्लाइट्स

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज छठा दिन है। 28 फरवरी से शुरू हुई जंग के कारण मिडिल ईस्ट के देशों में भारत के लिए उड़ान सेवा प्रभावित हुई है। हालांकि बीते 2 दिन में हालात आंशिक रूप से सुधरे हैं। स्पाइसजेट मिडिल ईस्ट में फंसे यात्रियों की वापसी के लिए गुरुवार को UAE से 13 स्पेशल फ्लाइट्स चलाएगी। इनमें 12 फुजैराह से और 1 दुबई से चलेंगी। फुजैराह से मुंबई के लिए सात और दिल्ली के लिए पांच स्पेशल फ्लाइट्स चलेंगी। वहीं एक फ्लाइट दुबई से मुंबई आएगी। इधर, ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत पर जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में विरोध प्रदर्शन हुए। 1 मार्च से आज लगातार पांचवे दिन श्रीनगर में लाल चौक पर बैरिकेडिंग है, सुरक्षाबल की तैनाती है। गलियों के बाहर तार

फैंसिंग की गई है। इस बीच 4 दिन बंद पड़ी कोलकाता-दुबई की उड़ानें आज से दोबारा शुरू की गई हैं। अधिकारियों ने कहा कि फ्लाईदुबई की फ्लाइट गुरुवार सुबह एयरपोर्ट पर लैंड हुई। इसमें 130 यात्री थे। बोइंग 737 मैक्स वाला यह प्लेन यहां से 55 यात्रियों को लेकर दुबई रवाना हुआ। स्पाइसजेट के मुताबिक गुरुवार को दुबई से मुंबई के लिए SG 9014 और फुजैरा से मुंबई के लिए SG 9036 उड़ान चलेंगी।

>> (शेष पेज 04 पर)

सचिन पायलट बोले- बिहार की जनता के साथ धोखा हुआ

कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा, ये तो समझ नहीं आ रहा कि आपने चुनाव लड़ा, अपने चेहरे पर लड़ा, वोट बटोर लिए, जनता ने आपको चुनकर भेजा। नीतीश कुमार ने पहले भी कई बार अपना मन बदला है। कभी इस पाले में या कभी उस पाले में। अब सुनने में आ रहा है कि वे दिल्ली आ रहे हैं। जो कुछ भी हो रहा है ये जनता को धोखे में रख कर किया गया है। अगर आप 6 महीने पहले बोल देते कि आपको राज्यसभा में जाना है तो हो सकता है कि बिहार चुनाव के परिणाम कुछ और आते। तेजस्वी यादव ने कहा, बीजेपी जब-जब जिस पार्टी के साथ रही है उसने अपने साथी को खत्म किया है। बीजेपी RSS का एजेंडा लागू करना चाहती है। चुनाव में इन्होंने इलेक्शन कमीशन को अपना सेल बनाया था। नीतीश जी के साथ जो हो रहा है उसे लेकर हमारी पूरी सहानुभूति है। हम लोग साथ होते तो नीतीश जी को ये दिन नहीं देखना पड़ता। नीतीश जी सेहतमंद रहें। उन्होंने बिहार के लिए जो काम किया है उसके लिए हम धन्यवाद देते हैं। सीएम नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले

त्यागपत्र : ममता सरकार से मतभेद सामने आए थे, राज्य में इस साल विधानसभा चुनाव होंगे

बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने इस्तीफा दिया

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु को अपना इस्तीफा भेज दिया है। फिलहाल वे दिल्ली में मौजूद हैं। डॉ बोस 23 नवंबर 2022 को बंगाल के राज्यपाल बने थे। उनके कार्यकाल के दौरान कई बार राज्य की ममता बनर्जी सरकार और राजभवन के बीच मतभेद भी सामने आए थे। विशेष रूप से विश्वविद्यालयों की नियुक्तियों, प्रशासनिक हस्तक्षेप और कुछ संवैधानिक मुद्दों को लेकर विवादों की चर्चा राजनीतिक गलियारों में होती रही। कई मौकों पर राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच बयानबाजी भी देखने को मिली, जिससे

यह मामला राष्ट्रीय स्तर पर भी सुर्खियों में रहा। बंगाल में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। सूत्रों के मुताबिक हाल के दिनों में बढ़ते विवादों और राजनीतिक तनाव के बीच उनके इस्तीफे की अटकलें लगाई जा रही थीं। अब उनके द्वारा राष्ट्रपति को औपचारिक रूप से इस्तीफा भेजे जाने के बाद यह स्पष्ट हो गया है।

सीएम ममता और राज्यपाल बोस के बीच सामने आए विवाद

2023: विश्वविद्यालयों में VC नियुक्ति विवाद
राज्यपाल बोस ने राज्य के कई विश्वविद्यालयों में वाइस चांसलर (VC) नियुक्त किए, जिस पर राज्य सरकार ने आपत्ति जताई। सरकार का आरोप था कि नियुक्तियां राज्य की सलाह के बिना हुईं। राज्यपाल ने कहा कि कानून के तहत यह उनका अधिकार है। मामला अदालत तक पहुंचा और उच्च शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हुई।

2023-2024: राज्य विधेयकों को मंजूरी न देने का आरोप
राज्य सरकार ने आरोप लगाया कि राज्यपाल कई विधेयकों पर मंजूरी में देरी कर रहे हैं। ममता बनर्जी ने इसे 'लोकतांत्रिक प्रक्रिया में बाधा' बताया था। राज्यपाल का पक्ष था कि विधेयकों की संवैधानिक जांच जरूरी है। इससे सरकार-राज्यपाल संबंध और तनावपूर्ण हुए।

2023: मनरेगा और केंद्रीय फंड पर टिप्पणी
राज्यपाल ने मनरेगा सहित केंद्रीय योजनाओं में कथित अनियमितताओं पर सवाल उठाए। राज्य सरकार ने इसे राजनीति से प्रेरित बताया। दोनों पक्षों के बयानों से केंद्र-राज्य संबंधों पर भी असर पड़ा।

2023-24: राज्यपाल की जिलों की यात्राएं
राज्यपाल के जिलों के दौरे और जनता से सीधे संवाद पर सरकार ने आपत्ति जताई। सरकार ने कहा कि यह समानांतर प्रशासन जैसा है। राज्यपाल ने इसे जनता से जुड़ने का संवैधानिक दायित्व बताया था।

2024: महिला कर्मचारियों की सेक्शुअल हैरेसमेंट की शिकायतें
पश्चिम बंगाल लोक भवन से जुड़े सेक्शुअल हैरेसमेंट के आरोप सामने आए, जिस पर राज्य सरकार ने जांच और कार्रवाई की मांग की। राज्यपाल ने आरोपों को सिरे से खारिज किया और राजनीतिक दुर्भावना बताया। मामला राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित रहा, लेकिन तनाव बढ़ता रहा।

'जनता का पैसा बांग्लादेशी घुसपैठियों में लुटा रहीं ममता दीदी'

बंगाल में बोले धामी- वोट बैंक के लिए बनाए जा रहे फर्जी दस्तावेज

हमला

तमसा संकेत, एजेंसी

देहरादून। 'पोरिबोर्तन यात्रा' में शामिल होने पश्चिमी बंगाल पहुंचे सीएम पुष्कर सिंह धामी ने ममता बनर्जी पर जमकर हमला किया। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा- वोट बैंक के लालच में बंगाल की जनता के हक का पैसा बांग्लादेशी घुसपैठियों में लुटाया जा रहा है। उनके फर्जी दस्तावेज बनाए जा रहे हैं। उनको संरक्षण दिया जा रहा है। उन्होने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि युवराज देश के बाहर देश को बदनाम करने की कोशिश करते हैं। कांग्रेस और टीएमसी का डीएनए एक ही है। जिनके तीन धागे हैं- भारत विरोधी, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण का समर्थन। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा

- 'पोरिबोर्तन यात्रा' के दौरान जनसभा को सम्बोधित करते सीएम धामी।
- पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सीएम धामी का किया स्वागत।

कि मैं देवभूमि उत्तराखंड से आया हूं। जहां से गंगा मैया निकलती है भले ही उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल की भौगोलिक रूप से बहुत दूरी है।

>> (शेष पेज 04 पर)

करोड़पति कॉन्स्टेबल का 100 करोड़ का गोल्ड-कैश जब्त होगा

आयकर विभाग ने बेनामी माना, सौरभ शर्मा को वास्तविक मालिक

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल। आरटीओ के पूर्व करोड़पति कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा और उसके सहयोगी चेतन सिंह गौर से जुड़े मामले में बरामद 100 करोड़ रुपए के सोना और नकदी को सरकारी खजाने में जमा किया जाएगा। आयकर विभाग की एडजुडिकेटिंग अथॉरिटी ने भोपाल स्थित बेनामी निषेध इकाई (बीपीयू) की कार्रवाई को सही ठहराया है। अथॉरिटी ने सौरभ शर्मा को सोने का वास्तविक मालिक बताया है। सौरभ शर्मा दिसंबर 2024 में तब चर्चा में आया था, जब लोकायुक्त, प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग ने उसके ठिकानों पर छापामार कार्रवाई की थी। इसी दौरान 18 और 19 दिसंबर की दरमियानी रात भोपाल के मेंडोरी में इनोवा कार से 11

करोड़ रुपए कैश और 51.8 किलो गोल्ड जब्त किए गए थे। इसका लिंक भी सौरभ से जुड़ा था। इसके बाद सौरभ और उसके सहयोगियों की बेशुमार संपत्ति सामने आई थी। हालांकि, अब तक हुई पूछताछ में सौरभ शर्मा ने यह स्वीकार नहीं किया है कि मेंडोरी में इनोवा कार में मिला सोना और कैश उसका है। एडजुडिकेटिंग अथॉरिटी द्वारा आयकर विभाग की बेनामी विंग की कार्रवाई को सही ठहराने के बाद अब सौरभ शर्मा और चेतन सिंह गौर के पास अपील का विकल्प है। दोनों यदि अपील करते हैं।

सम्पादकीय

कट्टरता से लड़ना इतना कठिन क्यों?

कट्टरता और विशेष रूप से मजहबी कट्टरता और कुरीतियों के खिलाफ लड़ना कभी भी आसान नहीं रहा। कट्टरता के खिलाफ लड़ाई लड़ने वालों को कई बार जान से भी हाथ धोना पड़ा है। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में रहने वाले सलीम अहमद इन दिनों जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं, क्योंकि पिछले दिनों उन पर प्राणघातक हमला हुआ। यह हमला इसलिए हुआ, क्योंकि सलीम मजहबी कट्टरता के खिलाफ खुलकर बोलते हैं और इस्लाम की उन मान्यताओं की आलोचना करते हैं, जो उनकी समझ से न तो आज के युग के अनुकूल हैं, न सभ्य समाज के लिए स्वीकार्य हैं और न ही सह-अस्तित्व में सहायक हैं। इस्लाम का परित्याग करने के कारण सलीम अपने को एक्स मुस्लिम कहते हैं। वे नास्तिक सम्मेलनों का आयोजन करते रहे हैं और खुद को नास्तिक की तर्ज पर वास्तिक कहते हैं। वे अपना यूट्यूब चैनल चलाते हैं, जिसमें मजहबी कट्टरता और कुरीतियों से मुक्ति के उपायों पर चर्चा करते हैं। वे ऐसे एकलौते शख्स नहीं। दुनिया में खुद को एक्स मुस्लिम कहने वालों की कमी नहीं। इस्लामी देशों में भी एक्स मुस्लिम तेजी से बढ़ रहे हैं। यूरोप और अमेरिका में तो उनके संगठन बने हुए हैं और वे अपनी गतिविधियों को एक्स मुस्लिम मूवमेंट की संज्ञा देते हैं। यह आंदोलन भारत में भी दस्तक दे चुका है और केरल के एक्स मुस्लिमों यानी इस्लाम छोड़ चुके लोगों ने अपना संगठन बना रखा है। यह यही बताता है कि भारत में एक्स मुस्लिम मूवमेंट जोर पकड़ रहा है। भारत के साथ-साथ पाकिस्तान और बांग्लादेश के भी कई एक्स मुस्लिम विदेश में सक्रिय हैं। इस्लामी देशों में सबसे अधिक एक्स मुस्लिम संभवतः ईरान में हैं। इसका कारण वहां हद से ज्यादा इस्लामी कट्टरता होना है। किसी भी समाज में जब मजहबी-पंथिक कट्टरता हद से अधिक बढ़ जाती है तो उससे आजिज आए लोग उसके खिलाफ आवाज उठाने लगते हैं। ऐसे कई लोग या तो नास्तिक बन जाते हैं या फिर एग्नास्टिक (अज्ञेयवादी) यानी ऐसे, जो इसे लेकर सुनिश्चित नहीं होते कि ईश्वर, अल्ला, गाड आदि है या नहीं? एक समय भारत में इक्का-दुक्का घोषित एक्स मुस्लिम थे, लेकिन आज उनकी गिनती करना कठिन है। इनमें से कई अपने यूट्यूब चैनल चलाते हैं और कभी-कभार सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी भागीदारी करते हैं। पहले वे अपनी पहचान और चेहरा छिपाकर रखते थे, लेकिन आज कई ऐसे हैं, जो इसकी आवश्यकता नहीं समझते। सलीम वास्तिक भी ऐसे लोगों में हैं। निःसंदेह अपनी पहचान उजागर कर मजहबी कट्टरता के खिलाफ बोलने वाले एक्स मुस्लिम कम ही हैं, क्योंकि उनकी सुरक्षा के लिए खतरा बना रहता है। उन्हें जान से मारने और सीधे तौर पर कहें तो सिर तन से जुदा करने की धमकियां मिलती रहती हैं। सलीम वास्तिक को भी ऐसी ही धमकियां मिल रही थीं, लेकिन वे धमकियों से डरने वाले लोगों में से नहीं थे। पहलगाम में मजहब पूछकर लोगों की हत्या के बाद सलीम अपने कुछ साथियों के साथ कश्मीर पहुंच गए थे। वहां वे मजहबी कट्टरता के खिलाफ अपनी बात तब तक बेबाकी से कहते रहे, जब तक कुछ कट्टरपंथियों की शिकायत पर पुलिस ने उन्हें शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार नहीं कर लिया। पुलिस ने उनका और उनके साथियों के यूट्यूब चैनल डिलीट कर दिए, लेकिन वहां से लौटने के बाद वे नए यूट्यूब चैनल के साथ फिर से अपने मिशन में लग गए। उन्हें फिर से धमकियां मिलने लगीं और पिछले शुक्रवार जीशान और गुलफाम नाम के दो भाइयों ने उनके घर जाकर धारदार हथियारों से उनका गला रेतने की कोशिश की। रमजान का महीना और शुक्रवार के दिन ही गला रेतने के कृत्य पर गौर करें। हमलावर पिस्टल से लैस थे, लेकिन उन्होंने सलीम का गला रेतना और उन्हें निशाना बनाने के लिए शुक्रवार का चयन करना आवश्यक समझा। इसलिए समझा, क्योंकि वे एक तो उन मजहबी मान्यताओं पर यकीन रखते थे कि इस्लाम छोड़ने वालों की सजा मौत है और दूसरे, वे पाकिस्तान में गूंजते रहने वाले इस खौफनाक नारे के असर में रहे-गुस्ताखे रसूल की एक ही सजा-सिर तन से जुदा। अब यह नारा भारत में जब-तब न केवल सुनाई देता है, बल्कि कुछ लोगों की ईशनिंदा यानी कथित गुस्ताखी में गला रेत कर हत्या भी की जा चुकी है, जैसे कमलेश तिवारी, कन्हैया लाल और उमेश कोल्हे। सलीम वास्तिक को निशाना बनाने वालों ने यह सोचा होगा कि उनकी यह खौफनाक हरकत देश के एक्स मुस्लिमों में भय पैदा करेगी और वे उनकी आवाज दबा देंगे, लेकिन अब होगा यह कि लोग और खासकर युवा मुस्लिम भी यह जानने के लिए उत्सुक होंगे कि आखिर सलीम वास्तिक क्या कहते थे और लोग एक्स मुस्लिम क्यों बन रहे हैं? यह उत्सुकता सलीम वास्तिक के हमलावरों के इरादों पर पानी फेरने का ही काम करेगी, लेकिन केवल इतने से संतोष नहीं किया जा सकता कि उनका एक हमलावर पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। सरकारों के लिए यह आवश्यक है कि वे मजहबी कट्टरता से लड़ने वालों और खासकर एक्स मुस्लिमों की सुरक्षा के खास उपाय करें, क्योंकि सबसे अधिक खतरा उन्हें ही है, न कि अन्य मजहब के आलोचकों को। जिस देश में चार्वाक जैसे नास्तिक संत कहे गए हों, वहां एक्स मुस्लिमों की कट्टरता से लड़ाई कठिन नहीं होनी चाहिए।

आवेग को आनंद से भरने वाला पर्व

> "रंग लगाना केवल रंग लगाना नहीं, स्वीकार का संकेत है। यह कहना है कि मैं तुम्हें अपने निकट आने देता हूं। समाज ने जो दूरियां सावधानी से निर्मित की हैं, वे इस दिन पारगम्य हो जाती हैं।

रंग जब हवा में घुलता है तो वह केवल दृश्य नहीं रचता, वह जीवन की कठोर रेखाओं पर एक मृदुल कंपन अंकित करता है। होली उसी कंपन का उत्सव है। एक ऐसा पड़ाव जब समाज की सुव्यवस्थित संरचनाएं अपनी दृढ़ता को थोड़ी देर के लिए शिथिल कर देती हैं और मनुष्य अपने मूल, निष्कवच रूप में सामने आता है। यह उत्सव बताता है कि अनुशासन जरूरी है, पर उससे भी अधिक आवश्यक है उसका समय-समय पर विसर्जन। वर्ष भर मनुष्य अनेक भूमिकाएं निभाता है, जिनमें पद, प्रतिष्ठा, उत्तरदायित्व, मर्यादा के तंतु बंधे होते हैं। ये सब उसके व्यक्तित्व को आकार देते हैं, परंतु कहीं-न-कहीं उसे आवेष्टित भी करते हैं। होली उन आवरणों पर रंग का स्पर्श रखती है। रंग चेहरा ढक लेता है, किंतु पहचान को छीनता नहीं, केवल उसे कुछ समय के लिए पार्श्व में धकेल देता है। उस क्षण व्यक्ति अपने परिचय से अधिक अपनी उपस्थिति में होता है।

वह अधिकारी नहीं, केवल मनुष्य होता है। वह विभाजन नहीं, केवल स्पंदन होता है। इस उत्सव का सौंदर्य उसकी क्षणभंगुरता में है। रंग कुछ ही घंटों में धुल जाते हैं, लेकिन उनसे जो अनुभव भीतर उतरता है, वह दीर्घजीवी होता है। यह अस्थायी उन्मुक्तता एक गहरी स्मृति छोड़ जाती है कि विभाजन शाश्वत नहीं और न दूरी अनिवार्य। समाज की कठोर रेखाएं, जिन्हें हम नियति समझ बैठते हैं, वे भी रंग की एक बौछार से धुंधली हो सकती हैं। यह धुंधलापन विनाश नहीं, संभावना है। होली का दार्शनिक अर्थ इसी संभावना में निहित है।

किसी समाज को अपने भीतर संचित तनावों को सौंदर्य में रूपांतरित करने की कला सीखनी होती है। यदि असंतोष केवल दमन में रहे तो वह कठोरता बन जाता है, यदि वह हिंसा में फूट पड़े तो विनाश, मगर यदि वही ऊर्जा गीत, परिहास और रंग में घुल जाए तो वह उत्सव बन जाती है। होली इसी रूपांतरण का अभ्यास है-आवेग को आनंद में बदल देने की सांस्कृतिक चातुरी। रंगों का बहुलत्व अर्थपूर्ण है। कोई एक रंग पर्याप्त नहीं। लाल की ऊष्मा, पीले की दीप्ति, हरे की ताजगी, नीले की गहराई, ये सब साथ मिलकर एक ऐसा दृश्य रचते हैं, जहां भिन्नता विरोध नहीं, विन्यास बन जाती है। प्रत्येक रंग दूसरे से स्पर्धा नहीं करता। वह उसमें घुलकर अपनी आभा का विस्तार करता है। यह दृश्य मानो कहता है कि विविधता जब संगति में होती है, तब वह विभाजन नहीं, सौंदर्य रचती है। इसी क्रम में अग्नि और रंग का क्रम अत्यंत अर्थवान है। उत्सव की पूर्वरात्रि में दहन होता है-अहंकार का, अतिरेक का, दंभ का। अग्नि स्मरण कराती है कि जो कठोर है, जो जड़ है, उसे कभी-न-कभी राख होना पड़ता है और उसी राख की पृष्ठभूमि पर अगली सुबह रंगों की कोमल वर्षा आरंभ होती है। यह क्रम बताता है कि शुद्धि और सृजन एक-दूसरे के विरोधी नहीं, अपितु वे एक ही चक्र के दो छोर हैं। दहन के बिना उल्लास अधूरा है और उल्लास के बिना दहन निष्फल। होली का हास्य विशिष्ट है। यहां हंसी उपहास नहीं, आत्म-उपहास है। लोग स्वयं को रंग से भरते हैं, स्वयं को विचित्र रूप में देखते हैं, खिलखिलाते हैं। यह आत्म-परिहास मनुष्य को हल्का करता है। गंभीरता की दीवारें पिघलती हैं और भीतर छिपा बालक बाहर आता है। यह बालकत्व अपरिपक्वता नहीं, बल्कि उस सहजता का पुनरागमन है, जिसे जीवन की दौड़ में हमने पीछे छोड़ दिया था। स्पर्श का सौंदर्य भी इस उत्सव में अद्वितीय है। रंग लगाना केवल रंग लगाना नहीं, स्वीकार का संकेत है। यह कहना है कि मैं तुम्हें अपने निकट आने देता हूं। समाज ने जो दूरियां सावधानी से निर्मित की हैं, वे इस दिन पारगम्य हो जाती हैं। यह पारगमन स्थायी नहीं, फिर भी स्मरण कराता है कि दूरी स्वभाव नहीं, व्यवस्था है और व्यवस्था बदल सकती है, यदि मनुष्य चाहे। ऋतु का परिवर्तन इस उत्सव को और भी गहन बना देता है। शीत की कठोरता के बाद वसंत की कोमल हवा बहती है। वृक्षों पर नई कोंपलें फूटती हैं, खेतों में हरियाली लहराती है, आकाश अधिक उज्ज्वल लगता है। प्रकृति स्वयं रंगों में खिल उठती है। मनुष्य उसी का सहभागी बनता है। वह प्रकृति के राग में अपना स्वर जोड़ देता है। होली इस प्रकार केवल सामाजिक उत्सव नहीं, ऋतु का भी उत्सव है। बाहरी परिवर्तन के आंतरिक अनुवाद का माध्यम। इस उत्सव की लय में एक गहरी सामूहिकता है। ढोल की थाप पर कदम मिलते हैं, गीत की धुन पर स्वर एक होते हैं। व्यक्ति की अलग आवाज सामूहिक गान में विलीन हो जाती है। यह विलय व्यक्ति का लोप नहीं, उसका विस्तार है। जब वह अकेला गाता है तो उसका स्वर सीमित होता है। जब सब साथ गाते हैं तो वही स्वर अनंत में गूंज उठता है। होली उस अनंत गूंज का क्षण है।

जब दिन ढलता है, जब रंग से भीगे चेहरे थककर शांत हो जाते हैं, तब एक मृदुल शांति उतरती है। गलियां धीरे-धीरे स्वच्छ होती हैं, वस्त्र धोए जाते हैं, पर मन में हल्की आभा बनी रहती है। जैसे किसी ने भीतर की कठोरता पर पानी छिड़क दिया हो। यह आभा बताती है कि जीवन केवल नियम नहीं, केवल श्रम नहीं, केवल संघर्ष नहीं, वह उल्लास भी है, परिहास भी है, रंग भी है।

होली इसलिए केवल एक पर्व नहीं, स्मरण भी है। स्मरण कि मनुष्य की मूल प्रकृति विभाजन से अधिक मिलन में है, कठोरता से अधिक कोमलता में है, एकरूपता से अधिक बहुलता में है। वह बताती है कि यदि जीवन को केवल अनुशासन में बांधा जाए तो वह सूख जाएगा, उसमें रंग का स्पर्श आवश्यक है। रंग का यह स्पर्श क्षणिक है, पर उसका अर्थ दीर्घ है। वह हमें सिखाता नहीं, संकेत देता है कि भीतर कहीं एक ऐसा प्रदेश है, जहां हम सभी एक-दूसरे के निकट हैं, जहां भेद का आवरण हल्का है, जहां हंसी सहज है।

होली उसी प्रदेश की यात्रा है-क्षण भर की, पर पूर्ण, चंचल, पर गहन, रंगीन पर विचारमय। जब अगला वर्ष आता है, जब फिर फाल्गुन की हवा बहती है, तब वही स्मृति फिर जागती है। रंग फिर उड़ते हैं, हंसी फिर गूंजती है और जीवन फिर अपने कठोर रूप पर कोमलता की एक परत चढ़ा लेता है। यही उसका लालित्य है-क्षण में अनंत का आभास और रंग की धूल में मनुष्यत्व का उजास।

परिचय दास

जन सुराज का...

ललित गर्ग

अदालत में सख्ती, समाज से संवादः न्याय पालिका की बदलती छवि

हमारे देश में न्यायपालिका की पहचान लंबे समय तक आम जन से एक निश्चित दूरी से निर्मित होती रही है। जब एक न्यायाधीश के जीवन की कल्पना करते हैं तो उनके अदालत तक सीमित होने, सामाजिक आयोजनों से लगभग अनुपस्थित और आम नागरिकों से औपचारिक दूरी बनाकर रहने की तस्वीर उभरती है। यह दूरी किसी व्यक्तिगत अहंकार का नहीं बल्कि एक सुविचारित न्यायिक परंपरा का हिस्सा रही है। माना जाता रहा है कि जज जितना कम दिखेगा, उसका फैसला उतना ही निष्पक्ष रहेगा। जितना कम बोलेगा, उतनी ही स्पष्टता से वह न्याय मांगती आवाजों को सुनेगा लेकिन समय के साथ यह धारणा बदल रही है। वर्तमान में राजस्थान के धौलपुर में पदस्थ जिला न्यायाधीश संजीव मागो इस बदलती तस्वीर के फ्रेम में एक ठोस उदाहरण के रूप में नजर आते हैं। उनकी अदालत से आए निर्णय यह स्पष्ट करते हैं कि न्यायिक अनुशासन, सख्ती और कानून के अनुपालन में कोई ढील नहीं है। जहां दोष सिद्ध हुआ, वहां सजा भी उसी अनुपात में दी गई चाहे वह अल्पावधि की सजा हो या कठोरतम दंड। अदालत के भीतर उनका व्यक्तित्व उसी पारंपरिक न्यायिक कसौटी पर खरा उतरता है जिसकी समाज अपेक्षा करता है लेकिन अदालत के बाहर वही न्यायाधीश एक अलग ही दृश्य रचते नजर आते हैं। सुबह स्टेडियम में आम लोगों के साथ दौड़ लगाते हुए कभी युवाओं के साथ, कभी बच्चों के बीच। फिटनेस को जीवन का सहज हिस्सा बनाते हुए, बिना किसी औपचारिकता के। मंच पर बैठकर हार्मोनियम के साथ शास्त्रीय गायन, शेर-ओ-शायरी, गजलों की भावपूर्ण प्रस्तुति और कभी-कभी नृत्य के दृश्य, जो सार्वजनिक मंचों और सोशल मीडिया पर दिखाई देते हैं। यह सब जजों की उस पारंपरिक छवि से मेल नहीं खाता जिसमें जज को गंभीर, मौन और लगभग अदृश्य माना गया है। सवाल यह नहीं है कि कोई न्यायाधीश गाता है, दौड़ता है या नृत्य करता है बल्कि यह है कि क्या न्यायपालिका की गरिमा केवल दूरी से ही सुरक्षित रह सकती है या फिर वह संयमित सार्वजनिक उपस्थिति के साथ भी कायम रह सकती है? अब तक न्यायाधीशों को यही इशारा मिलता रहा है कि वे सामाजिक गतिविधियों से दूरी बनाए रखें, आम लोगों के साथ संपर्क को सीमित रखें और सार्वजनिक मंचों पर न्यूनतम नजर आएं। इसका उद्देश्य किसी भी प्रकार के पक्षपात, अपेक्षा या दबाव की संभावना को कम से कम करना ही था। माना जाता था कि जज भी आखिर इंसान ही हैं और यदि वह आम लोगों के साथ ज्यादा घुले-मिलेंगे, दोस्ताना संबंध बनाएंगे तो कभी इसकी कीमत न्याय को चुकानी पड़ सकती है। इसी वजह से पिछले कई दशकों में हमने जजों को कभी जन संलिप्त भाव में नहीं देखा लेकिन बदलते सामाजिक परिदृश्य में सवाल उठता है कि अगर संलिप्त न होने से यदि निष्पक्ष रहने में मदद मिलती है तो क्या जरूरत से निर्लिप्तता न्यायपालिका को समाज से दूर नहीं कर देती? वर्तमान में भले ही अदालतें आम जन के लिए न्याय पाने का आखिरी सहारा हैं लेकिन एक मायने में अदालतों में तारीख-दर-तारीख, कठिन भाषा और न्याय की धीमी गति आम नागरिक के लिए पैसे और समय की फिजूलखर्ची का प्रतीक भी बन चुकी है। ऐसे में यदि कोई न्यायाधीश अपने सार्वजनिक आचरण से यह संकेत देता है कि वह समाज से कटा हुआ नहीं है तो क्या उसे न्याय पालिका के हितों के विरुद्ध माना जाए? जज संजीव मागो की सार्वजनिक छवि इसी प्रश्न को जन्म देती है। वह न केवल सार्वजनिक रूप से बल्कि सोशल मीडिया पर भी बराबर सक्रिय हैं। इससे उनकी पहचान उनके निर्णयों से कम और उनके आचरण से अधिक बनती दिखाई देती है। यह उस व्यक्ति की सामाजिक स्वीकृति है जो कठोर न्यायिक फैसले लेने के बावजूद मानवीय और रचनात्मक जीवन जीता है। एक जज का यह बदलाव सभी को सहज लगे, यह आवश्यक नहीं है। कुछ लोग इसे न्यायिक मर्यादा की पारंपरिक सीमाओं का अतिक्रमण मान सकते हैं तो कुछ इसे नई न्याय पालिका के आत्म विश्वास का संकेत भी समझ सकते हैं। यानी एक ऐसी संस्था, जो अब समाज से संवाद करने से नहीं हिचकती है। संवाद समाज को समझने का माध्यम है जबकि हस्तक्षेप यकीनन न्याय को प्रभावित कर सकता है। यदि कोई न्यायाधीश सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहते हुए भी अपने निर्णयों में पूरी तरह निष्पक्ष और कठोर बना रहता है तो इसे विरोधाभास नहीं बल्कि संतुलन का उदाहरण ही कहा जाएगा। जज संजीव मागो का सार्वजनिक आचरण यह सोचने के लिए बाध्य करता है कि क्या न्यायपालिका को केवल एक निर्जीव संस्था के रूप में ही देखा जाना चाहिए या फिर उसे संवेदनशील, अनुशासित और सामाजिक यथार्थ से जुड़ा हुआ भी स्वीकार किया जा सकता है?

शाहिद को सबसे...

00000000

पॉपुलर हो रही है शाहिद कपूर-रश्मिका मंदाना की जोड़ी

हिंदी सिने जगत के हैंडसम हंक कहलाने वाले एक्टर शाहिद कपूर उन मोस्ट टैलेंटेड एक्टर्स में से एक हैं जिन्हें फैंस दिलो-जान से पसंद करते हैं। अपनी चार्मिंग पर्सनैलिटी से वो ऑडियंस को हमेशा इंप्रेस करते रहे हैं। शाहिद कपूर पहली बार, म्यूजिक वीडियो 'आंखों में तेरा ही चेहरा' (1999) में ऋषिता भट्ट के साथ नजर आए थे। उसके बाद निर्माता निर्देश सुभाष घई ने उन्हें ऐश्वर्या राय, अनिल कपूर और अक्षय खन्ना स्टॉरर 'ताल' (1999) के एक छोटे किरदार में सिल्वर स्क्रीन पर आने का अवसर दिया। एक स्टार सन होने के बावजूद शुरूआती काम हासिल करने के लिए शाहिद कपूर ने इतनी अधिक ऑडिशन दिए कि कभी भी उन्हें अपने स्पेशल होने का एहसास नहीं हुआ। केन घोष व्दारा निर्देशित, 'इश्क विश्क' (2003) शाहिद कपूर की लीड एक्टर, वाली पहली फिल्म थी। उनकी ये डेब्यू फिल्म बॉक्स ऑफिस के लिहाज से एवरेज थी हालांकि, फिल्म में शाहिद कपूर को बेहद पसंद किया गया था। अमृता संग उनकी कैमिस्ट्री तो कमाल की थी। अपनी दमदार परफॉर्मेंस के लिए शाहिद ने फिल्मफेयर बेस्ट मेल डेब्यू अवार्ड भी जीता। एक ओर जहां शाहिद की फिल्म 'फिदा', 'दिल मांगे मोर', 'दीवाने हुए पागल', 'वाह! लाइफ हो तो ऐसी' और शिखर फ्लॉप रही तो वहीं फिल्म '36 चाइन टाउन' सेमी हिट रही। उसके बाद 'चुप चुप के' एवरेज थी। फिर साल 2006 में उनकी फिल्म 'विवाह' आई और हिट रही। इसके बाद भी शाहिद की कई फिल्में फ्लॉप हुईं और कुछ हिट भी रहीं। उनकी 'फूल एंड फाइनल', 'किस्मत कनेक्शन', 'दिल बोले हडिप्पा', 'चांस पे डांस', 'पाठशाला', 'मिलेंगे मिलेंगे', 'मौसम', 'तेरी मेरी कहानी', 'फटा पोस्टर निकला हीरो', 'शानदार', 'रंगून', 'बत्ती गुल मीटर चालू', 'जर्सी' और 'देवा' फ्लॉप रहीं। लेकिन दूसरी तरफ शाहिद ने 'कबीर सिंह' जैसी बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़ने वाले फिल्म दी। 'तेरी बातों में उलझा जिया' 80.88 करोड़ के कारोबार के साथ सेमी हिट रही और 'जब वी मेट' हिट रही थी। इस फिल्म करीना कपूर के साथ उनकी जोड़ी को काफी पसंद किया गया था। शाहिद की फिल्म 'उड़ता पंजाब', 'हैदर', 'आर राजकुमार', 'बदमाश कंपनी' और 'कमीने' एवरेज रहीं। इस तरह उनका करियर काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा है। शाहिद को सबसे ज्यादा कामयाबी संदीप रेड्डी वांगा की रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'कबीर सिंह' (2019) से मिली। यह उनकी अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्म थी। शाहिद कपूर इस साल 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज विशाल भारद्वाज व्दारा निर्देशित एक्शन थ्रिलर फिल्म 'ओ रोमियो' में नजर आए। 'कमीने', 'हैदर', और 'रंगून' के बाद विशाल भारद्वाज के साथ ये शाहिद कपूर की यह चौथी फिल्म है लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं कर सकी। शाहिद कपूर की फिल्म 'कॉकटेल 2' सितंबर 2026 में बड़े पर्दे पर आएगी।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

राजेश कुमार पासी

केजरीवाल को राहत, कांग्रेस की आफत

शराब घोटाले में ट्रायल कोर्ट ने केजरीवाल को बरी कर दिया है। इसके बाद केजरीवाल घूम-घूम कर सारे देश को बता रहे हैं कि वो कट्टर ईमानदार हैं. भाजपा ने उन्हें फंसाया था। वैसे देखा जाए तो अदालत ने उन्हें बरी इसलिए किया है, क्योंकि जांच एजेंसी सीबीआई उनके खिलाफ लगे आरोप सिद्ध नहीं कर पाई। अदालत ने कहीं नहीं कहा है कि केजरीवाल ईमानदार हैं और उन्हें फंसाया गया है। एक तरह से अदालत ने उनके खिलाफ पूरे सबूत न पेश कर पाने के कारण उन्हें बरी किया है। अदालत ने यह भी नहीं कहा है कि घोटाला नहीं हुआ है, इसलिए सवाल यही है कि घोटाला किसने किया है। सीबीआई का मुख्य आरोप ये था कि शराब व्यापारियों को फायदा पहुंचाने के लिए उनके पक्ष में नीतियां बनाई गई थी और इससे राजस्व की हानि हुई। ये आरोप भी भाजपा या कांग्रेस ने नहीं लगाया था, बल्कि कैग द्वारा लगाया गया था। कैग की रिपोर्ट आने के बाद जब विपक्षी दलों ने शोर मचाया तो केजरीवाल सरकार ने शराब नीति वापिस ले ली । सवाल यह है कि अगर केजरीवाल सरकार को अपनी नीतियों पर भरोसा था तो उसने इन नीतियों को वापस क्यों लिया। अदालत में अपराध साबित न हो पाना जांच एजेंसी की नाकामी होती है, इसलिए इस मामले ने सीबीआई की साख पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सीबीआई की नाकामी ने विपक्षी दलों को मोदी सरकार के खिलाफ राजनीतिक हथियार दे दिया है कि वो ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग कर रही है। अगर केजरीवाल बिल्कुल निर्दोष थे तो उन्हें हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट जमानत क्यों नहीं दे रहे थे। अगर केजरीवाल के खिलाफ कोई सबूत नहीं था तो अदालतों द्वारा उन्हें जेल क्यों भेजा गया। अब केजरीवाल मोदी सरकार पर आरोप लगा रहे हैं कि उसने उन्हें जेल भेजा था। भारतीय व्यवस्था का सच यह है कि सरकार किसी के खिलाफ मुकदमा कर सकती है लेकिन उसे जेल नहीं भेज सकती। किसी भी व्यक्ति को जेल भेजने या जमानत देने का अधिकार सिर्फ इस देश की अदालतों के पास ही है। अदालत ने चार्जशीट तैयार करने वाले जांच अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्यवाही की सिफारिश की है। इसका मतलब है कि अदालत मानती है कि जांच अधिकारी की लापरवाही के कारण किसी निर्दोष को परेशान किया गया है या दोषी के खिलाफ मामला साबित नहीं हो पाया है। वैसे देखा जाए तो अगर केजरीवाल निर्दोष हैं तो उनके साथ बहुत बड़ा अन्याय हुआ है, क्योंकि उन्हें इस मामले में 150 दिन और उनके सहयोगी सिसोदिया को 500 दिन जेल में रहना पड़ा है। इतने बड़े नेताओं का जेल में रहना उनके राजनीतिक जीवन के लिए अच्छा नहीं होता है। बरी होने के बाद केजरीवाल अपने आपको पीड़ित की तरह पेश कर रहे हैं जिसमें कुछ भी गलत नहीं है। जहां तक केजरीवाल के खिलाफ राजनीति करने की बात है तो भाजपा और कांग्रेस ने उन्हें इस मामले में कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की है। कांग्रेस कई बार अपनी राजनीति के कारण उनके साथ खड़ी हुई है लेकिन विरोध भी करती रही है। यही कारण है कि केजरीवाल बरी होने के बाद भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस के खिलाफ भी बयान दे रहे हैं। कांग्रेस भी केजरीवाल के बरी होने के बाद भाजपा पर हमलावर है कि वो विपक्षी दलों के खिलाफ ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग कर रही है। कांग्रेस का भाजपा पर हमलावर होना समझ आता है लेकिन कांग्रेस केजरीवाल के खिलाफ भी हमलावर है। कांग्रेस आरोप लगा रही है कि केजरीवाल और भाजपा मिलकर उसके खिलाफ साजिश कर रहे हैं। कांग्रेस का कहना है कि ऐन चुनाव के वक्त केजरीवाल का बरी होना महज संयोग नहीं हो सकता. कहीं न कहीं दोनों दलों की इसमें मिलीभगत है। कांग्रेस का कहना है कि भाजपा उसके खिलाफ आम आदमी पार्टी को खड़ा कर रही है, ताकि आने वाले विधानसभा चुनावों में उसे नुकसान पहुंचाया जा सके। अगले साल पंजाब, गोआ और गुजरात में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जहां आम आदमी पार्टी गंभीरता से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। केजरीवाल और सिसोदिया के बरी होने के बाद पार्टी में नई जान आ गई है। आप के कार्यकर्ताओं में नया जोश आ गया है। देखा जाए तो अब पार्टी कार्यकर्ता और नेता नए जोश के साथ काम शुरू कर सकते हैं। केजरीवाल बोल रहे हैं कि भाजपा में हिम्मत है तो वो दिल्ली में चुनाव करवा ले. उसे दस सीटें भी नहीं मिलेंगी। वो ये जानते हैं कि दिल्ली में सरकार बने हुए एक साल हुआ है, ऐसा कुछ होने वाला नहीं है। वास्तव में वो कांग्रेस को इशारा कर रहे हैं। 2027 में जिन तीन राज्यों में चुनाव होने वाले हैं, वहां आप भाजपा के लिए नहीं बल्कि कांग्रेस के लिए घातक साबित हो सकती है। आम आदमी पार्टी के मजबूत होने से भाजपा को नुकसान की अपेक्षा फायदा होने की उम्मीद ज्यादा है। पंजाब में आम आदमी पार्टी अपनी सत्ता बचाने की लड़ाई लड़ रही है। इस समय पंजाब में सत्ताविरोधी लहर चल रही है जिससे निपटना पार्टी के लिए आसान होने वाला नहीं है। केजरीवाल के आरोपमुक्त होने के बाद आम आदमी पार्टी को सत्ता में वापिसी का रास्ता आसान लग रहा है। जहां तक भाजपा की बात है तो वो अभी सत्ता की लड़ाई में शामिल नहीं है। शिरोमणि अकाली दल भी इतना कमजोर हो चुका है कि वो सत्ता की लड़ाई से बाहर नजर आ रहा है। अगर भाजपा और अकाली दल गठबंधन कर लेते हैं, तो वो मुकाबले में आ सकते हैं लेकिन इसकी संभावना बहुत कम है। देखा जाए तो पंजाब में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ही मुख्य मुकाबले में हैं। भाजपा सिर्फ अपना जनाधार बढ़ा रही है। भाजपा को पता है कि अगर आम आदमी पार्टी दोबारा सत्ता में आ जाती है तो कांग्रेस पंजाब में कमजोर हो जाएगी और इसके बाद भाजपा को पांव जमाने का मौका मिल जाएगा। कांग्रेस इसलिए दोनों दलों पर मिलीभगत का आरोप लगा रही है। वैसे देखा जाए तो पंजाब की हालत देखते हुए आम आदमी पार्टी की सत्ता में वापसी आसान नहीं है। पार्टी के खिलाफ सत्ताविरोधी लहर इतनी मजबूत है कि केजरीवाल के बरी होने से ज्यादा फर्क पड़ने वाला नहीं है। दूसरी बात यह है कि केजरीवाल भाजपा के कट्टर विरोधी हैं, इसलिए उनका भाजपा के साथ मिलीभगत करना मुश्किल लगता है। परिस्थितियों को देखते हुए आरोप सही लगें लेकिन जरूरी नहीं है कि वो सच हों। अभी चुनावों में एक साल बाकी है. तब तक राजनीति कभी भी करवट ले सकती है। पंजाब में बेशक सत्ताविरोधी लहर चल रही हो लेकिन कांग्रेस के पक्ष में कोई हवा नहीं चल रही है। जहां पंजाब की जनता आम आदमी पार्टी की सरकार से नाराज है तो दूसरी तरफ वो कांग्रेस से भी खुश नहीं है। पंजाब की जनता क्या फैसला देगी, इस बारे में अभी कुछ कहना आसान नहीं है।

मुकेश अंबानी-जय शाह भी शामिल हुए, अर्जुन ने बिजनेसमैन रवि घई की पोती के साथ फेरे लिए

सचिन के बेटे की शादी में धोनी-अमिताभ पहुंचे

मुंबई, एजेंसी

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की आज सानिया चंडोक के साथ मुंबई में शादी हुई। शादी समारोह में अमिताभ बच्चन पत्नी जया बच्चन के साथ पहुंचे। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी भी पत्नी साक्षी के साथ आए। वहीं, पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले के साथ क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे, सुरेश रैना, हरभजन सिंह भी मौजूद रहे। शादी के फंक्शन 3 मार्च से ही चल रहे हैं। अर्जुन तेंदुलकर और सानिया चंडोक के प्री-वेडिंग फंक्शन 27 फरवरी को गुजरात के जामनगर में अंबानी परिवार के घर में

- अर्जुन तेंदुलकर बिजनेस मैन रवि घई की पोती के साथ विवाह सूत्र में बंधे हैं।
- बॉलिवुड के बिग बी अमिताभ बच्चन पत्नी जया के साथ शादी में पहुंचे हैं।
- एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल परिवार के साथ शादी में पहुंचे।

हुए थे। दोनों ने अगस्त 2025 में सगाई की थी। सानिया चंडोक ग्रैविस ग्रुप के चेयरमैन रवि घई की पोती हैं। अर्जुन की बहन सारा की करीबी दोस्त भी हैं। तेंदुलकर और चंडोक फैमिली का स्वागत करते हुए नीता अंबानी ने कहा, 'सचिन और अंजलि, आप हमेशा से हमारे परिवार का हिस्सा रहे हैं। आपकी खुशी में शामिल होकर हमारा दिल खुशी से भर गया है। मैंने अर्जुन को एक छोटे बच्चे से एक जिम्मेदार युवक बनते देखा है।

पैट स्पा सेंटर की डायरेक्टर है सानिया

सानिया चंडोक मशहूर बिजनेस परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद सानिया लाइमलाइट से दूर रहती हैं। वे मुंबई में ही मिस्टर पॉज पैट स्पा एंड स्टोर एलएलपी (Mr. Paws Pet Spa & Store LLP) की पार्टनर और डायरेक्टर हैं। यह पशुओं की स्किनकेयर, ग्रूमिंग और इससे रिलेटेड प्रोडक्ट्स की सेवाएं देता है। सानिया ने इसकी शुरुआत 2022 में एक लाख रुपए से की थी।

कार्यक्रम का सबसे यादगार पल तब था जब सचिन तेंदुलकर ने माइक संभाला। सचिन ने कहा- 'अर्जुन, मुझे तुम पर बहुत गर्व है। जब कोई बेटा, बेटी को घर लाता है और उसका परिचय कराता है तो पिता समझ जाता है कि बेटा अब बड़ा हो गया है। अर्जुन और सानिया एक-दूसरे के प्यार में पागल और बेहद खुश दिख रहे हैं। अर्जुन, तुम्हें ऐसा साथी मिल गया है, जो तुमसे उतना ही प्यार करता है, जितना तुम उससे करते हो।'

रणजी चैंपियन जम्मू-कश्मीर टीम ने जय शाह से मुलाकात की

राज्य में क्रिकेट को बढ़ावा देने पर आभार जताया, बीसीसीआई ने फोटोज शेयर किए

नई दिल्ली, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर ने 67 साल में पहला रणजी ट्रॉफी जीता है। इस जीत के बाद टीम के खिलाड़ियों ने ICC के चैयरमैन जय शाह से मुलाकात की। BCCI ने गुरुवार को फोटोज शेयर किए हैं। खिलाड़ियों ने जम्मू-कश्मीर में क्रिकेट को मजबूत बनाने में उनके योगदान के लिए जय शाह को धन्यवाद दिया। BCCI ने X पर बताया कि रणजी ट्रॉफी का पहला खिताब जीतने के बाद जम्मू-कश्मीर टीम ने जय शाह से मिलने की इच्छा जताई। खिलाड़ियों ने कहा कि BCCI के सचिव रहते हुए जय शाह की लीडरशिप ने राज्य में क्रिकेट को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। BCCI ने अपने पोस्ट में जम्मू-कश्मीर की ऐतिहासिक जीत की तारीफ की और खिलाड़ियों को

प्रोत्साहित करने के लिए जय शाह का धन्यवाद किया। कप्तान पारस डोगरा की अगुवाई में जम्मू-कश्मीर ने 67 साल का इंतजार खत्म करते हुए 2025-26 सीजन में अपना पहला रणजी ट्रॉफी खिताब जीता। फाइनल मैच ड्रॉ रहा, लेकिन पहली पारी में बड़ी बढ़त के कारण टीम को विजेता घोषित किया गया। बेंगलुरु के पास हुवली क्रिकेट ग्राउंड पर 5 दिन मैच में 24 फरवरी को जम्मू एंड कश्मीर की टीम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 584 रन बनाए थे। इसके बाद उन्होंने कर्नाटक को 293 रन पर ऑल आउट कर दिया था। दूसरी पारी में जम्मू कश्मीर ने 4 विकेट पर 342 रन बनाए और पारी डिक्लेयर कर दी। पहली पारी में मिली बढ़त की आधार पर जम्मू कश्मीर की टीम को विजेता घोषित किया गया।

फास्ट न्यूज

रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर, पहली बार 92.28 पर आया

नई दिल्ली। भारतीय रुपया आज 4 मार्च को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83 पैसे गिरकर 92.28 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले जनवरी में रुपया 91.98 के निचले स्तर पर गया था। ये गिरावट मिडिल-ईस्ट में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल के बढ़ते दाम के कारण आई है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि जब तक युद्ध शांत नहीं होता, रुपए पर दबाव बना रह सकता है।

ईरान-इजराइल जंग से जेट-फ्यूल मार्च में 6% महंगा

नई दिल्ली। भारतीय एविएशन इंडस्ट्री एक बार फिर मुश्किल दौर से गुजर रही है। एविएशन टर्बाइन फ्यूल (ATF) की कीमतों में उछाल, डॉलर के मुकाबले गिरता रुपया और मिडिल ईस्ट में जारी तनाव ने एयर-लाइंस की प्रॉफिटेबिलिटी यानी मुनाफे पर दबाव बढ़ा दिया है। हालांकि, ग्राउंडेड विमानों की संख्या में कमी आने से राहत मिली है, लेकिन इंटर-नेशनल रूट्स पर उड़ानों के रद्द होने और रूट बदलने से एयरलाइंस का खर्च बढ़ गया है। एयरलाइंस के लिए फ्यूल सबसे बड़ा खर्च होता है। कुल ऑपरेटिंग खर्च में इसकी हिस्सेदारी 30% से 40% तक होती है। फरवरी 2026 तक 11 महीनों में ATF की एवरेज कीमत 91,173 रुपए प्रति किलोलीटर (KL) थी, लेकिन मार्च 2026 में यह 6% बढ़कर 96,638 रुपए प्रति KL पर पहुंच गई है।

पीएफ पर मिलता रहेगा 8.25% ब्याज

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भी पीएफ पर 8.25% की दर से ही ब्याज मिलता रहेगा। सरकार ने ब्याज दरों में कोई बढ़ोतरी या कटौती नहीं की है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के इस फैसले पर अब वित्त मंत्रालय की मुहर लगेगी, जिसके बाद कर्मचारियों के खातों में पैसा क्रेडिट होगा। आम तौर पर सीबीटी की घोषणा के कुछ महीनों बाद ब्याज की रकम खातों में जमा की जाती है।

दुबई में फंसे लोगों के लिए सोनू सूद आए आगे

लोगों को मुफ्त में ठहरने की सुविधा देंगे

चंडीगढ़, एजेंसी

एरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध की वजह से दुबई में फंसे लोगों के लिए बॉलीवुड एक्टर सूद आगे आए हैं। उन्होंने लोगों को फ्री में रहने की जगह मुहैया करवाने की बात कही है। चाहे ये लोग भारत के रहने वाले हों या किसी अन्य देश से संबंधित हों, वह सबकी मदद करेंगे। इसके लिए उन्हें सिर्फ मैसेज करना होगा। सोनू सूद अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट डाली है। इसमें उन्होंने लिखा है कि युद्ध की वजह से कई यात्री दुबई में फंस गए हैं। अगर आप या आपका कोई जानने वाला वहां है और रहने की जगह नहीं है, तो हम फ्री में सुरक्षित ठहरने की सुविधा दे रहे हैं। कोई शर्त नहीं, कोई राष्ट्रीयता की पाबंदी नहीं। बस इंसानियत के नाते मदद

की जा रही है। अगर आपको मदद चाहिए तो इंस्टाग्राम पर @dugastaproperties को मैसेज करें। पंजाब के भी कई लोग इस समय दुबई में फंसे हुए हैं। पंजाब सरकार का कहना है कि वहां कितने लोग फंसे हैं, इसकी पक्की जानकारी अभी नहीं है। सरकार की तरफ से बनाए गए कंट्रोल रूम पर अब तक 150 से ज्यादा कॉल दुबई में फंसे लोगों की आ चुकी हैं।

धुरंधर एक्ट्रेस ने कहा-मेरे पीरियड्स पर गाना शूट करना एक नेशनल जोक बन गया

हर दिन मिलती हैं रेप की धमकियां : आयशा खान

मुंबई, एजेंसी

एक्ट्रेस आयशा खान ने हाल ही में बताया कि सोशल मीडिया पर अक्सर उन्हें बॉडी को लेकर सेक्शुअल कमेंट्स मिलते हैं और लगभग हर दिन उन्हें रेप की धमकियां भी दी जाती हैं। मोजो स्टोरी की समिट में आयशा ने कहा कि हाल ही में उन्होंने फिल्म धुरंधर के गाने शरारत की शूटिंग से जुड़ा एक अनुभव शेयर किया था। उन्होंने बताया था कि उस गाने की शूटिंग उन्होंने पीरियड्स के दौरान की थी। इसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें काफी ट्रोल किया गया। आयशा ने कहा कि उन्हें लगा कि उनके पीरियड्स पर होना अचानक एक नेशनल जोक बन गया है। एक्ट्रेस ने कहा कि सोशल मीडिया पर लोग उनके कपड़ों को लेकर भी कमेंट

करते हैं। उन्होंने कहा, "मैं इंस्टाग्राम पर लगभग हर दिन अपनी बॉडी को लेकर सेक्शुअल कमेंट्स का सामना करती हूं। अगर मैं नॉर्मल टॉप पहनती हूं तो लोगों को समस्या होती है। अगर मैं स्कर्ट पहनती हूं तो भी लोगों को दिक्कत होती है। मुझे कुछ पोस्ट करने से पहले भी सोचना पड़ता है।"उन्होंने कहा कि कई बार इस तरह की बातें उन्हें इमोशनली परेशान करती हैं।

एक्ट्रेस ने बताया- उनके साथ रेप की कोशिश हुई

आयशा ने अपने जीवन की एक निजी घटना का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उनके साथ एक बार रेप की कोशिश भी हो चुकी है। उन्होंने कहा, "मैंने पहले भी एक इंटरव्यू में इसके बारे में बात की है। मैं इस विषय पर ज्यादा नहीं जाना चाहती। कुछ दिन ऐसे होते हैं जब यह घटना फिर याद आ जाती है और मन को परेशान करती है।" लेकिन इस पर ज्यादा कार्रवाई नहीं होती। उनके मुताबिक यह कोई नई समस्या नहीं है।

आयशा ने कहा कि कुछ दिनों में वह इन बातों को नजरअंदाज कर देती हैं, लेकिन कई बार ऐसे कमेंट्स ज्यादा परेशान करते हैं, खासकर जब लोग हिंसा की बात करते हैं। उन्होंने कहा, "जब लोग लिखते हैं कि अगर उनके पास ताकत होती तो वह कुछ भी कर सकते थे, तो यह डराने वाला होता है। क्योंकि यह असली लोग हैं जो हमारे आसपास ही रहते हैं।"

लगभग हर दिन रेप की धमकियां भी मिलती हैं: आयशा

समिट के दौरान आयशा से पूछा गया कि क्या उन्हें ऑनलाइन रेप की धमकियां मिलती हैं? इस पर उन्होंने कहा, "हां, लगभग हर दिन। मैं अभी अपना फोन खोलकर दिखा सकती हूं। यह अब बहुत नॉर्मल हो गया है।" उन्होंने कहा कि इंटरव्यू और सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग के सवाल अक्सर उठते हैं।

भारत से लौट रहे ईरानी युद्धपोत पर अमेरिका का हमला

श्रीलंका के पास डूबा, 87 सैनिकों की मौत, 32 का रेस्क्यू किया

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज पांचवां दिन है। अमेरिका ने भारत से लौट रहे एक ईरानी युद्धपोत IRIS देना को श्रीलंका के पास हमला कर डुबा दिया है। हमले में अब तक 87 ईरानी नौसैनिक मारे गए हैं। यह जानकारी श्रीलंकाई सरकार ने दी है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बताया कि हिंद महासागर में अमेरिकी पनडुब्बी ने ईरानी जहाज को टॉरपीडो से निशाना बनाकर डुबा दिया। श्रीलंका की नेवी ने 32 घायल नौसैनिकों का रेस्क्यू कर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है। जहाज पर लगभग 180 नौसैनिक सवार थे। लापता लोगों की तलाश के लिए सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। यह ईरानी युद्धपोत पिछले महीने भारत के विशाखापट्टनम में आयोजित 2026 इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में हिस्सा लेकर लौट रहा था। श्रीलंकाई अधिकारियों ने अल जजीरा को बताया कि

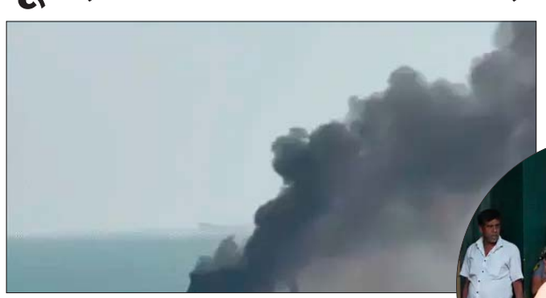

बुधवार सुबह करीब 6 से 7 बजे के बीच (भारतीय समय के मुताबिक) मदद के लिए मैसेज भेजा। यह जहाज दक्षिणी श्रीलंका के गाले शहर से करीब 40 समुद्री मील (करीब 75 किलोमीटर) दूर था। इंटरनेट मॉनिटरिंग संगठन NetBlocks के अनुसार ईरान लगभग 100 घंटे से इंटरनेट कनेक्टिविटी से लगभग पूरी तरह कट गया है। यह इस साल दूसरी बार है जब ईरानी अधिकारियों द्वारा इस तरह का इंटरनेट शटडाउन लागू किया गया है। इससे पहले जनवरी में देशभर में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान भी इंटरनेट बंद किया गया था। NetBlocks के मुताबिक उपलब्ध आंकड़ों से पता चलता है कि ईरान में इंटरनेट कनेक्टिविटी सामान्य स्तर के सिर्फ करीब 1 प्रतिशत तक रह गई है।

संगठन ने यह भी कहा कि पिछली बार हुए इंटरनेट बंद के दौरान ईरान की अर्थव्यवस्था को 3.7 करोड़ डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ था। इसके अलावा आठ क्रूज मिसाइलों का भी पता लगाया गया और उन्हें सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया गया।

ईरान संघर्ष के बीच 17,500 से अधिक अमेरिकी सुरक्षित लौटे

ईरान से जंग पर अमेरिका ने कहा है कि 28 फरवरी से अब तक 17,500 से अधिक अमेरिकी नागरिक मध्य पूर्व से सुरक्षित रूप से अमेरिका लौट चुके हैं। अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा जारी मीडिया नोट में सहायक विदेश सचिव डिलन जॉनसन ने बताया कि मंगलवार को ही 8,500 से अधिक अमेरिकी नागरिक अमेरिका लौटे, जो हाल के हफ्तों में एक दिन में हुई सबसे बड़ी वापसी में से एक है। बयान में कहा गया- 28 फरवरी से अब तक 17,500 से अधिक अमेरिकी नागरिक मध्य पूर्व से सुरक्षित रूप से अमेरिका लौट चुके हैं।

ईरान ने खामेनेई के शोक समारोह स्थगित किए

ईरान ने सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के लिए आयोजित होने वाले शोक समारोह को फिलहाल टाल दिया है। एक अधिकारी ने सरकारी टेलीविजन को बताया कि ये कार्यक्रम बुधवार से शुरू होने वाले थे और तीन दिन तक चलने वाले थे। अधिकारी ने कहा कि स्मृति समारोहों को अगली सूचना तक स्थगित कर दिया गया है।

150 लड़कियों के अंतिम संस्कार के लिए सोमवार को एक साथ मिनाब शहर में कब्र खोदी गई थीं।

यूएई का दावा: ईरान ने अब तक उस पर 189 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने कहा है कि ईरानी आक्रामकता शुरू होने के बाद से अब तक यूएई की ओर दागी गई 189 बैलिस्टिक मिसाइलों का पता लगाया गया है। यूएई के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इनमें से 175 मिसाइलों को मार गिराया गया, 13 समुद्र में गिरीं और एक मिसाइल देश के अंदर गिरी। मंत्रालय ने बताया कि मंगलवार को भी तीन बैलिस्टिक मिसाइलों को सफलतापूर्वक इंटरसेप्ट किया गया। इसके साथ ही 129 ड्रोन का पता चला, जिनमें से 121 को मार गिराया गया, जबकि 8 यूएई के भीतर गिरे। इसके अलावा आठ क्रूज मिसाइलों का भी पता लगाया गया और उन्हें सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया गया।

गिरावट : ₹2.58 लाख किलो पर आई, 10 ग्राम सोना ₹7 हजार गिरकर ₹1.63 लाख का हुआ

चांदी 2 दिन में ₹32 हजार सस्ती हुई

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। देश में सोने और चांदी की कीमतों में आज यानी 5 मार्च को लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गई है। India Bullion and Jewellers Association (IBJA) के अनुसार 24 कैरेट सोने की कीमत में 3 हजार रुपये की कमी आई है। इसके बाद 10 ग्राम सोना घटकर करीब 1.60 लाख रुपये पर आ गया है। इससे पहले इसकी कीमत करीब 1.63 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम थी। बुलियन मार्केट के आंकड़ों के मुताबिक पिछले दो दिनों में सोने की कीमत में कुल मिलाकर करीब 7 हजार रुपये की गिरावट दर्ज की गई है। हाल के दिनों में सोने के दाम में आई तेज बढ़त के बाद निवेशकों द्वारा मुनाफा-वसूली (प्रॉफिट बुकिंग) करने से कीमतों में यह कमी देखने को मिल रही है। सोने

सोना इस साल ₹26 हजार और चांदी ₹27 हजार महंगी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में तेजी देखने को मिली है। बीते साल के आखिर में सोना 1.33 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब 1.60 लाख रुपए पर है। यानी इसकी कीमत इस साल अब तक 26 हजार बढ़ चुकी है। वहीं चांदी भी इस दौरान 27 हजार रुपए महंगी हुई है।

के साथ-साथ चांदी की कीमतों में भी बड़ी गिरावट आई है। एक किलो चांदी की कीमत 13 हजार रुपये घटकर करीब 2.58 लाख रुपये प्रति किलो रह गई है। इससे पहले चांदी का भाव करीब 2.71 लाख रुपये प्रति किलो था। पिछले दो दिनों में चांदी की कीमत में कुल मिलाकर करीब 32 हजार रुपये की गिरावट दर्ज की गई है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार सोने-चांदी में हालिया तेजी के बाद निवेशकों द्वारा बड़े पैमाने पर प्रॉफिट बुकिंग किए जाने से कीमतों में यह गिरावट देखने को मिल रही है।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

2. कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

ईरान और इजराइल युद्ध से बासमती चावल एक्सपोर्ट अटका

शिपिंग एजेंसियां $2000 डालर प्रति कंटेनर मांग रहीं

फाजिल्का, एजेंसी

खाड़ी देशों में हो रहे युद्ध के चलते इसका सीधा असर अब पंजाब के बासमती राइस एक्सपोर्टर पर पड़ा है। फाजिल्का जिले के जलालाबाद की बात करें तो यहां से एक्सपोर्ट किया गया लाखों टन बासमती चावल रास्ते में अटक गया है। मिलर्स का कहना है कि युद्ध के हालातों को देखते हुए शिपिंग के नाम पर अब शिपिंग एजेंसियां उनसे 2000 डॉलर प्रति कंटेनर की मांग रही हैं। जिसे वह अदा करने में असमर्थ हैं। इसके लिए उन्होंने केंद्र सरकार से दखल देने की मांग करते हुए समस्या के समाधान की मांग की है। जलालाबाद से राइस एक्सपोर्टर कपिल देव गुंबर ने बताया कि फाजिल्का जिले में किसान बासमती चावल की खेती करते हैं। 1121 किस्म का बासमती चावल खाड़ी

देशों में पसंद किया जाता है। वह पिछले 15 वर्षों से बासमती चावल एक्सपोर्ट का काम कर रहे हैं। लाखों टन चावल भारत से खाड़ी देशों को भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया अब भी उनके द्वारा लाखों टन बासमती चावल दुबई, ईरान सहित गल्फ कंट्रियो में भेजा गया है, जो ईरान-इजराइल युद्ध के चलते रास्ते में फंस गया है। उन्होंने बताया कि उनके करीब 150 कंटेनर है जिसमें से कुछ शिप, समुंदर, बंदरगाह या फिर ट्रकों में है वो वहीं रुक गया है। सारा माल रास्ते में फंस गया है। हालांकि पहले से ही तय भाड़े के अनुसार उनके द्वारा चावल एक्सपोर्ट किया जा रहा है। अब हालात ये हो गए हैं कि युद्ध के चलते रास्ते में फंसे चावल के लिए उनसे शिपिंग एजेंसियों द्वारा वार चार्जेस के नाम पर 2000 डॉलर प्रति कंटेनर मांगा जा रहा है। जिससे चावल का भाव 800 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ जाएगा, लेकिन उन्हें इतना मार्जन नहीं है। वह एक- दो रुपए प्रति किलो मार्जन पर काम कर रहे हैं। ऐसे में उन्होंने केंद्र सरकार से इस मामले में दखल देने की मांग करते हुए समस्या के समाधान की मांग की है। उन्होंने कहा कि अगर समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं हुआ तो राइस मिलर्स को भारी नुकसान होगा।

सीएनजी-रसोई गैस की कीमतें बढ़ सकती हैं

नई दिल्ली। मिडिल-ईस्ट में चल रहे युद्ध के कारण भारत में CNG (कंप्रेस्ड नेचुरल गैस) और PNG (पाइप्ड नेचुरल गैस) की कीमतें बढ़ सकती हैं। ईरान के ड्रोन हमले के बाद भारत को गैस सप्लाई करने वाला सबसे बड़ा देश कतर अपने लिक्विफाइड नेचुरल गैस (LNG) प्लांट का उत्पादन रोक चुका है। इससे भारत आने वाले जहाजों की आवाजाही रुक गई है और घरेलू बाजार में गैस की सप्लाई में 40% तक की बड़ी कटौती की गई है। भारत अपनी जरूरत की 40% LNG (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) यानी करीब 2.7 करोड़ टन सालाना कतर से ही आयात करता है। विदेश से आने वाली LNG को गैस में बदलकर ही CNG और PNG सप्लाई की जाती है। इसकी सप्लाई रुकने से सिटी गैस कंपनियों (CGD) ने चेतावनी दी है कि अगर हालात जल्द नहीं सुधरे, तो CNG और PNG के दाम बढ़ सकते हैं। कतर-एनर्जी के मुताबिक, ईरान ने कतर के 'रास लफान' और 'मेसाईद' इंडस्ट्रियल सिटी स्थित प्लांट पर ड्रोन से हमला किया था। सुरक्षा कारणों से कंपनी ने LNG का प्रोडक्शन फिलहाल रोक दिया है।

पूर्व एमएलसी का भतीजा बाल सुधार-गृह गया

बोला- रिवॉल्वर चेक करते वक्त गोली चल गई, दोस्त के माथे पर लगी, वो मर गया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में 13 साल के छात्र की गोली लगने से मौत मामले में पूर्व बसपा MLC के भतीजे को बुधवार को बाल सुधार गृह भेज दिया गया। आरोपी किशोर ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वह अपने पिता की रिवाल्वर चेक कर रहा था। इस दौरान गलती से गोली चल गई, जिससे दोस्त उनैज की मौत हो गई। एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा ने बताया- किशोर ने गलती से गोली चलने की बात कबूल ली है। CCTV में घटना से पहले किशोर अकेले ही गाड़ी से रिवाल्वर लेकर जाते दिख रहा है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। उसके बाद ही कुछ और कहा जा सकता है। सरोजनीनगर के बेहसा गांव में रहने वाले जमीर खान इलेक्ट्रॉनिक की दुकान चलाते हैं। उनका बेटा उनैज स्टेलामेरी स्कूल में 7वीं कक्षा में पढ़ता था। जमीर ने बताया था- कृष्णानगर में बालाजी कॉम्प्लेक्स में रहने वाले बिजनेसमैन संजीव त्रिपाठी के यहां

सोमवार को बर्थडे पार्टी थी। संजीव का बेटा अपने दोस्त के साथ मेरे घर पहुंचा। बेटे को साथ ले जाने लगा तो मैंने मना कर दिया। लेकिन, लड़के जबरदस्ती उनैज को लेकर चले गए। बेटा भी दोस्ती के नाते चला गया। सोमवार शाम 7:30 बजे आरोपी के पिता संजीव त्रिपाठी ने मुझे वॉट्सऐप पर फोन किया। मेरे बड़े बेटे उसैद ने फोन उठाया था। संजीव ने फोन पर कहा था- तुम्हारा भाई लोकबंधु में है, तुरंत अस्पताल आ जाओ। इसके बाद हम सभी लोग लोकबंधु अस्पताल पहुंचे। लेकिन, वहां हमें बच्चे से नहीं मिलने दिया गया। कुछ देर बाद पुलिस ने मृत अवस्था में बेटे को दिखाया था। जमीर खान ने आरोप लगाया था- हत्या को छिपाने की कोशिश की जा रही है। इन लोगों ने रोजे वाले दिन बेटे को मार दिया। यही गोली मेरे बच्चे से उनके बच्चे को लगी होती तो पुलिस होती, झंडे होते, बुलडोजर होता और मेरा घर होता। पुलिस का डंडा हमारे सारे रिश्तेदार और मोहल्लेवालों पर चल गया होता। अगर पुलिस नहीं करती तो उनसे करवाया जाता। इसके अलावा कोई सवाल नहीं है जहन में। मेरा बच्चा तो चला गया। अब क्या बचा? मृतक के चाचा अतीक खान ने बताया- उनैज का हत्यारोपी दोस्त गुड्डू पंडित का भतीजा है। इसमें दोस्त नवनीत, अभिनव, कार्तिकेय, नवनीत का ड्राइवर और उसके पिता संजीव त्रिपाठी व मां को नामजद किया है। पुलिस जांच में सामने आया संजीव त्रिपाठी के एलडीए मोड़ बालाजी काम्प्लेक्स कृष्णानगर स्थित घर में नीचे बने कमरे में पार्टी के दौरान गोली चली।

पूर्व एमएलसी हैं आरोपी के चाचा

आरोपी छात्र के चाचा अरविंद कुमार त्रिपाठी उर्फ गुड्डू त्रिपाठी बसपा से MLC रह चुके हैं। जिन्होंने बाद में भाजपा ज्वाइन कर ली थी। जमीर खान का आरोप है कि गोली गलती से नहीं लगी, बीच माथे पर सटाकर मारी गई है। इसके लिए कुछ लोगों ने मेरे बच्चे के हाथ-पैर भी पकड़े होंगे। आरोपी के पिता संजीव त्रिपाठी ने पेरेंट्स-टीचर मीटिंग में मुझे देख लेने की धमकी भी दी थी।

'अगर गोली हमारे बेटे से चली होती तो अब तक बुलडोजर चल जाता'

पोस्टमॉर्टम के बाद मंगलवार को शव घर पहुंचा था। जमीर से मिलने वालों का तांता लग गया। सभी लोग उसे ढांढस बंधाने में लगे थे। इस दौरान कई बार लोगों का पुलिस के खिलाफ आक्रोश भी देखने को मिला था। लोगों ने पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगाए थे। एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा और इंस्पेक्टर कृष्णानगर पीके सिंह ने पिता जमीर से बात कर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया था। बातचीत में जमीर ने एसीपी से कहा था- मान लिया कार्रवाई में दो दिन लगेंगे। लेकिन, अगर यही अपोजिट होता।

यह तस्वीर मृतक उनैज की है। उसके माथे के बीच गोली लगी थी।

"मृतक के चाचा अतीक खान ने बताया- उनैज का हत्यारोपी दोस्त गुड्डू पंडित का भतीजा है। गुड्डू पंडित डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के रिश्ते के साले हैं। छात्र की हत्या के मामले में पुलिस ने 6 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। नवनीत का ड्राइवर और उसके पिता संजीव त्रिपाठी व मां को नामजद किया है।"

एसयूवी-बाइक में भीषण टक्कर, 2 की हुई मौत

1 महिला गंभीर घायल, किसान पथ पर हादसा

- बाइक एसयूवी के दाईं ओर अंदर घुस कर खत्म हो गई। बाइक सवारों के शव सड़क पर बिथर गए।

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज। लखनऊ में एसयूवी-बाइक में भीषण टक्कर हो गई। हादसे में दामाद-ससुर की मौके पर ही मौत हो गई। एक महिला गंभीर घायल है, जिसका नजदीकी अस्पताल में इलाज चल रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। घटना सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के किसान पथ पर गुरुवार शाम चार बजे हुई। मृतक की पहचान मोहनलालगंज के गोपाल खेड़ा निवासी सुशील कुमार (46) और उनके ससुर मुन्नी लाल (60) के रूप में हुई। जबकि सुशील कुमार की पत्नी गंभीर घायल हैं। तीन बाइक से एक रिश्तेदार के घर जा रहे थे। किसान पथ पर पहुंचने पर एक तेज रफ्तार एसयूवी ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। करीब आधे घंटे तक हाईवे के दोनों ओर जाम लग गया। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। दुर्घट-नाग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात सामान्य कराया।

फास्ट न्यूज

इमामबाड़ा में पर्यटकों की भीड़ उमड़ी

लखनऊ। लखनऊ में बड़ा-छोटा इमामबाड़ा खुलते ही पर्यटकों की भीड़ उमड़ पड़ी। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद तीन दिवसीय शोक घोषित किया गया था। इसके बाद 1, 2 और 3 मार्च तक हुसैनाबाद ट्रस्ट ने बड़ा इमामबाड़ा, छोटा इमामबाड़ा, पिक्चर गैलरी समेत विभिन्न इमारतों को पर्यटकों के लिए बंद कर दिया था।

ट्रेन ड्राइवर ने पैंट खोलकर अफसर को दिखाया घाव

लखनऊ। लखनऊ रेल मंडल में तैनात ट्रेन ड्राइवर को मेडिकल लीव बढ़वाने के लिए पैंट उतारकर घाव दिखाना पड़ा। उसने छुट्टी बढ़ाने के लिए अप्लाई किया था, लेकिन अधिकारी ने लीव अप्लीकेशन रिजेक्ट कर दिया था। इसके बाद ट्रेन ड्राइवर (लोको पायलट) चीफ क्रू कंट्रोलर के ऑफिस पहुंचा। अधिकारी के सामने रिपोर्ट और दवा रखा। इसके बाद बोला- आपको घाव भी देखना है। ट्रेन ड्राइवर ने उसके सामने अपनी पैंट खोल दी। तब अधिकारी ने अपना मुंह मोड़ लिया। इसी दौरान किसी ने घटना का वीडियो बना लिया, जो बुधवार को सामने आया है। इसके बाद रेलवे यूनियन ने अधिकारी के व्यवहार को अमानवीय बताते हुए विरोध किया। राजेश मीना लखनऊ रेलवे मंडल में लोको पायलट हैं। वह लम्बे समय से पाइल्स (बवासीर) की बीमारी से पीड़ित थे। 22 फरवरी को सर्जरी कराई थी।

13 मार्च को नगर निगम का सदन

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम में वित्त वर्ष 2026-27 में 4692.71 करोड़ रुपए से विकास कार्य किए जाने हैं। 487 करोड़ रुपए से सीवर और पानी से जुड़े काम होंगे। 22 फरवरी को बजट की कार्यकारिणी बैठक में नगर निगम और जलकल विभाग की तरफ से कुल 5179.71 करोड़ रुपए का प्रस्तावित बजट पास किया गया है। अब इसे मंजूरी के लिए 13 मार्च को प्रस्तावित सदन की बैठक में रखा जाएगा।

लखनऊ कमिश्नर राजा बनकर बग्घी पर निकले

घूंघट में महिलाएं 'गोली चल जावेगी'...गाने पर थिरकीं

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में आज, गुरुवार को पुलिस की होली खेली गई। सभी थानों-चौकियों रंग-गुलाल उड़े। पुलिसवालों ने डीजे की धुन पर डांस किया। एक-दूसरे को गुलाल और रंग लगाकर होली शुभकामना दी। हजरत-गंज कोतवाली से पुलिस लाइन तक शोभा यात्रा निकाली गई। महिला पुलिसकर्मियों ने विंटेज कार में सवार होकर डांस किया। महिला-पुरूष पुलिसकर्मी गोली चल जावेगी... हरियाणवी गाने पर डांस करते हुए शोभा यात्रा में शामिल हुए। गुलाल के पटाखे फोड़े गए। पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र सिंह सेंगर और ज्वाइंट सीपी बबलू कुमार को माला, टोपी और काला चश्मा पहनाकर पुलिसकर्मियों ने बग्घी में बैठाया। दोनों अफसर बग्घी पर बैठकर होली खेलने निकले। पुलिसकर्मियों ने कमिश्नर पर बाल्टी भर-भरकर कर रंग

डाला। फूलों वर्षा की। महिलाकर्मियों पर जमकर रंगों की बौछार की गई। तमाम पुलिसकर्मी मुंह पर भूत वाला मुखौटा लगा कर जुलूस में शामिल हुए। उनके साथ एसीपी हजरतगंज विकास जायसवाल और एसीपी महानगर अंकित कुमार भी मौजूद हैं। पुलिसकर्मी एडीसीपी जितेंद्र कुमार को गोद में उठाकर जुलूस में ले आए।

हैप्पी होली कहने के विवाद में युवक की हत्या

लखनऊ में भाई-बहन ने चाकू से पेट में ताबड़तोड़ वार किए, पिता को बचाने आया था

- गुस्साए लोगों ने दुबग्गा थाने का घेराव किया। पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की।
- पुलिस आरोपी भाई-बहन को हिरासत में लेकर थाने ले जाने लगी तो ग्रामीणों ने उन्हें पीटने की कोशिश की।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में हैप्पी होली कहने के विवाद में युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पड़ोसी भाई-बहन ने उसके पेट में चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। गंभीर हालत में उसे ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना 4 मार्च, बुधवार शाम करीब 5 बजे दुबग्गा थाना क्षेत्र के बेगरिया गांव की है। मृतक की पहचान सूरज गौतम (22) के रूप में हुई है। पुलिस आरोपी भाई-बहन को हिरासत में लेकर जाने लगी तो लोगों ने उन्हें पीटने

सूरज गौतम, मृतक

की कोशिश की। थाने का घेराव करके पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। मृतक के पिता राजेंद्र गौतम ने बताया- मैं बुधवार शाम करीब 5 बजे मोहल्ले के निशु के साथ घर के सामने खड़ा था। इस दौरान निशु ने वहां से गुजर रहे गांव के मोहित तिवारी को हैप्पी होली बोल दिया। बाइक सवार मोहित ने इसका विरोध किया। जिस पर हम लोगों ने उससे माफी मांगी। बावजूद इसके उसने गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। मेरे बेटे सूरज और शिवा बीच-बचाव करने आए। शोर-शराबा सुनकर मोहित की मां रंजना और गांव के अन्य लोग भी पहुंच गए। मोहित मेरे बेटे सूरज को किनारे ले गया। वहां अपनी बहन रंजना को आवाज देकर

पुलिस ने आरोपी भाई-बहन को पकड़ा

मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी मोहित तिवारी और उसकी बहन शिवानी को हिरासत में ले लिया। उन्हें लेकर थाने जाने लगी। इस पर ग्रामीणों ने उन्हें पीटने की कोशिश की। पुलिस ने किसी तरह से उन्हें बचाया। इस दौरान ग्रामीणों की पुलिस के तीखी नोकझोंक हुई।

बुलाया। रंजना कुर्ते में चाकू छिपाकर आई। उसने सूरज के पेट में चाकू से 3 वार किया। फिर मोहित ने उससे चाकू लेकर सूरज पर कई वार किए। गांव के साजन कुमार ने बताया- मेरे हाथों में सूरज ने दम तोड़ा है। उसके पिता के दोस्त निशु ने मोहित को हैप्पी होली बोला था। इस पर उसने सूरज के पिता के साथ गाली-गलौज की। उसके बाद दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि 30 वर्षीय मोहित सरकारी विभाग में चतुर्थ श्रेणी का कर्मचारी है। उसकी बहन शिवानी (30) घर में ही रहती थी। उनका परिवार गांव में किसी से संबंध नहीं रखता था। उनके घर के

गुस्साए लोगों ने थाना घेरा

वारदात को लेकर लोगों में काफी गुस्सा है। लोगों ने पुलिस पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। गुस्साए लोग दुबग्गा थाना पहुंच गए। थाने का घेराव करके पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। थाने के सामने सड़क जाम करने की कोशिश की। पुलिस ने लोगों को बताया कि मोहित, उसकी मां रंजना और बहन शिवानी तीनों को हिरासत में ले लिया गया है। कार्रवाई की जा रही है। इसके बाद लोग शांत हुए। इंस्पेक्टर दुबग्गा श्रीकांत राय ने बताया कि मोहित, उसकी मां और बहन के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

बाहर यदि बच्चे भी खेलते-खेलते पहुंच जाते थे तो उन्हें भी मारकर भगा देते थे। मोहित को सरकारी नौकरी होने का काफी घमंड था। वह किसी से बातचीत नहीं करता था।

गाय को राष्ट्रमाता घोषित करें, जो करना है कर लें, हम पीछे नहीं हटेंगे

योगी के पास 6 दिन का समय बचा : शंकराचार्य

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा- सीएम योगी के पास अभी 6 दिन का समय बचा है। वह गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित कर दें। अभी तक उनकी तरफ से कोई बयान नहीं आया है। उनके ही पार्टी के अन्य लोग समर्थन कर रहे हैं, लेकिन कोई खुलकर सामने नहीं आ रहा है। 7 मार्च को हनुमान चालीसा का पाठ कर वाराणसी से लखनऊ के लिए निकलेंगे। वहां पर सभी साधु संतों के सामने हम अपने फैसले सुनाएंगे। उन लोगों का चेहरा भी सामने लाएंगे, जो लोग हमारे इस अभियान में साथ हैं। शंकराचार्य ने गुरुवार

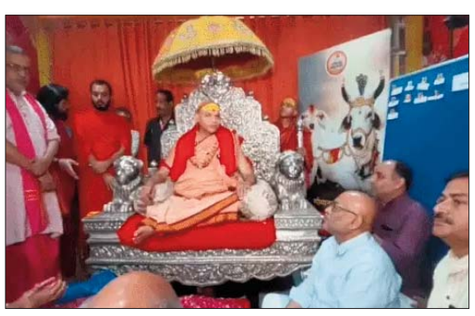

को कहा- रास्ते में हमें जहां रोका जाएगा, हम कानून का पूरा साथ देंगे। उम्मीद है कि ये धर्म की यात्रा है, इसमें कोई बाधा नहीं आएगी। अपने निर्धारित मार्ग और कार्यक्रम के अनुसार ही लखनऊ के लिए बढ़ेंगे। हम अपने मार्ग पर निकलेंगे और जो भी निर्णय लेना होगा।

"शंकराचार्य ने बताया कि वह गाय और सनातन की रक्षा के लिए 11 मार्च को लखनऊ में सभा करेंगे। 6 मार्च को बड़े भगवान चिंता गणेश का पूजन पाठ होगा।"

गौ माता की रक्षा के लिए लखनऊ आने का आह्वान किया

इसके बाद लखनऊ यात्रा के लिए निकलेंगे। कई जिलों से होते हुए और रात्रि विश्राम करते हुए 10 मार्च को लखनऊ पहुंचेंगे। यहां 11 मार्च को शीतला अष्टमी पर काशीराम मैदान में गौ ध्वज प्रतिष्ठा किया जाएगा। इसके बाद धर्म युद्ध शुरू होगा, जो लोग भी गौ माता की रक्षा के लिए आना चाहते हैं, वह आएं।

अजय राय बोले- कांग्रेस कार्यकर्ता शंकराचार्य के साथ खड़े रहेंगे

अजय राय ने कहा कि हम अपने शंकराचार्य से मुलाकात करने के लिए होली बाद पहुंचे थे। शंकराचार्य का जो भी आदेश होगा, हमारी पूरी कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी रहेगी। जो लोग गौ को अपनी मां मानते हैं, वह सभी लोग साथ रहेंगे। 11 मार्च को हम सभी लखनऊ में महाराज जी के साथ रहेंगे।

"मुलाकात के बाद शंकराचार्य ने कहा- होली के बाद अजय राय हमसे मुलाकात करने आए थे। गंगा अभियान को लेकर कुछ चर्चाएं हुई। लेकिन, कोई बहुत बड़ी बात नहीं की गई है। यह एक मुलाकात थी।"

अजय राय ने शंकराचार्य के चरणों में फूल चढ़ाए

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से उनके मठ में मुलाकात की। आशीर्वाद लेकर हाल के घटनाक्रम पर विस्तार से चर्चा की। अजय राय ने शंकराचार्य से कहा- अभी जब हम लखनऊ में थे, तब पुलिस ने हमें रास्ते में रोक दिया। प्रशासन ने मुझे आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी और होली का हवाला देकर रोक लिया। उन्होंने प्रशासन की ओर से जारी जिलाधिकारी का लेटर भी शंकराचार्य को दिखाया। कहा कि यह पत्र बताता है कि प्रशासन किस आधार पर लोगों को रोक रहा है।

17 साल के भतीजे ने चाची की हत्या की

बेडरूम में घुसकर कनपटी पर गोली मारी

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में गुरुवार सुबह 17 साल के भतीजे ने 32 साल की चाची की हत्या कर दी। भतीजा अचानक बेडरूम में घुसा। कनपटी में सटाकर तमंचे से 2 गोली मारी। फिर मौके से भाग गया। हालांकि, थोड़ी देर बाद उसने मवाना थाने पहुंचकर सरेंडर कर दिया। बोला- आए दिन चाची झगड़ा करती थी, इसीलिए गोली मार दी। पुलिस के मुताबिक, सुबह करीब 9:20 बजे सभी घर के कामों में बिजी थे, तभी गोली चलने की आवाज सुनाई दी। परिवार के लोग दौड़े तो पूजा त्यागी बेडरूम में फर्श पर पड़ी तड़प रही थी। इतने में 17 साल का भतीजा तमंचा लेकर भागता दिखाई दिया। थोड़ी ही देर में पूजा ने दम तोड़ दिया। 4 साल पहले मोदीनगर की रहने वाली पूजा की शादी धर्मेंद्र त्यागी से हुई थी। पूजा का 6 महीने

का बेटा है। घटना हस्तिनापुर के गणेशपुर गांव की है। हस्तिनापुर थाने की फोर्स और पुलिस अफसर मौके पर पहुंचे हैं। फोरेंसिक टीम ने भी सबूत जुटाए। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पति धर्मेंद्र त्यागी पत्नी की लाश देखकर बेसुध हो गए। रो-रोकर कहते रहे- एक हंसते-खेलते परिवार को भतीजे ने उजाड़ कर रख दिया। बच्चे को नहीं पता कि उसकी मां अब इस दुनिया में नहीं रही। गांव की गलियों में सन्नाटा पसरा है।

पृष्ठ 01 का शेष...

हर साल भर्ती होंगे ...

मौजूदा समय में दो लाख कर्मियों की संख्या के साथ, सीआईएसएफ 25 राज्यों और 5 केंद्र शासित प्रदेशों में फैले 361 महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को सुरक्षा प्रदान करती है। इनमें 71 हवाई अड्डे, दिल्ली मेट्रो रेल, 10 रसायन एवं उर्वरक संयंत्र, 105 विद्युत संयंत्र, 18 परमाणु प्रतिष्ठान, अंतरिक्ष विभाग के 16 प्रतिष्ठान, भारत सरकार के प्रमुख मंत्रालयों वाले 47 सरकारी भवन, 15 बंदरगाह, 6 रक्षा इकाइयाँ, 36 तेल एवं प्राकृतिक गैस इकाइयाँ, 17 इस्पात संयंत्र और 10 कोयला खदानें, 9 निजी क्षेत्र आदि शामिल हैं। सीआईएसएफ का विशेष सुरक्षा समूह (एसएसजी) 156 से अधिक संरक्षित व्यक्तियों को सुरक्षा प्रदान करता है। सीआईए-सएफ का विशेष अग्निशमन दल, जिसमें लगभग 9700 कर्मी हैं, देश के 23 राज्यों में फैली 114 इकाइयों को अग्निशमन सेवाएं प्रदान करता है। 2025 में सभी रैंकों में भर्ती किए गए कर्मियों में से 12.75 प्रतिशत महिलाएं थीं। 2026 में महिलाओं की संख्या कुल भर्ती का लगभग 8-9 फीसदी रहने का प्रस्ताव है। मुख्य रूप से बल की तैनाती की प्रकृति के कारण पदोन्नति में ठहराव से संबंधित शिकायतों को दूर करने के लिए, सीआईएसएफ ने कांस्टेबल और सहायक सब-इंस्पेक्टर के पदों के लिए क्रमशः वरिष्ठ कांस्टेबल और स्थानीय रैंक की प्रणाली शुरू की है। इसके चलते 32545 कांस्टेबलों को वरिष्ठ कांस्टेबल के रूप में नामित किया गया है। 1050 सहायक सब-इंस्पेक्टरों को सब-इंस्पेक्टर का स्थानीय रैंक प्रदान किया गया है। इस पहल से बल के मनोबल में उल्लेखनीय वृद्धि और कर्मियों के बीच प्रेरणा में वृद्धि होने की उम्मीद है। सभी केंद्रीय बलों में सीआईएसएफ में महिलाओं की संख्या सबसे अधिक है। वर्तमान में बल में महिलाओं की संख्या इसकी कुल संख्या का 8 प्रतिशत से अधिक है। हवाई सुरक्षा, जिसे उच्च प्राथमिकता की श्रेणी में रखा गया है, के मद्देनजर सीआईएसएफ ने एमपीआरटीसी बहरोर में ड्रोन प्रशिक्षण और ड्रोन-रोधी क्षमता प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने ड्रोन संचालन और ड्रोन-रोधी प्रणालियों के प्रशिक्षण के लिए रिमोट पायलट प्रशिक्षण संगठन (आरपीटीओ) की स्थापना को मंजूरी दे दी है। सीआईएसएफ को महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर हवाई खतरे के लिए नोडल एजेंसी नामित किया गया है। विमानन सुरक्षा के तहत उन्नत फुल बॉडी स्कैनर, वीडियो विश्लेषण, साइबर सुरक्षा के लिए साइबर कमांडो, आदि मुहैया कराए जा रहे हैं। सीसीटीवी वीडियो विश्लेषण और एआई/एमएल का उपयोग करके डेटा विश्लेषण के साथ एकीकृत उन्नत कमांड सेंटर विकसित किया गया है। एआई/एमएल का उपयोग करके उन्नत बायोमेट्रिक्स एक्सेस कंट्रोल सिस्टम तैयार किया जा रहा है।

नीतीश ने ...

इधर, नीतीश के नॉमिनेशन के बाद अमित शाह ने कहा, 'उनका ये कार्यकाल बिहार के इतिहास में स्वर्णिम पृष्ठ के रूप में लिखा जाएगा। बिहार के विकास के सारे मायने को उन्होंने गति देने का काम किया। उन्होंने अपने शासनकाल में बिहार को जंगलराज से मुक्त करने का काम किया। उन्होंने न केवल बिहार की सड़कों को गांव तक जोड़ा, उसकी स्थिति में भी सुधार किया। इतने लंबे कार्यकाल में विधायक, सांसद, मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री रहते हुए उनके कुर्ते पर कभी दाग नहीं लगा। भ्रष्टाचार का आरोप लगे बिना इतना लंबा राजनीतिक सफर शायद ही किसी ने तय किया हो, जो नीतीश कुमार ने तय किया है। उनका जो कार्यकाल मुख्यमंत्री होने के नाते हैं, उसे बिहार के लोग याद भी करेंगे और उसका सम्मान भी करेंगे। मैं फिर से नितिन नवीन और नीतीश कुमार का राज्यसभा में आने पर स्वागत करता हूं।'

अमेरिका...

फुजैरा से दिल्ली के लिए SG 9006, SG 9082 और SG 9085 और फुजैरा से मुंबई के लिए SG 9087 और SG 9089 उड़ानें भी ऑपरेट की जा रही हैं। स्पाइसजेट ने 6 मार्च को भी फुजैराह से मुंबई और दिल्ली के लिए कई अतिरिक्त उड़ानें तय की हैं। 7 मार्च को फुजैराह से मुंबई के लिए एक स्पेशनल फ्लाइट ऑपरेट की जाएगी। एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया ने कहा- 28 फरवरी या उससे पहले बुक टिकट वाले यात्री अपनी उड़ान मुफ्त में रीशेड्यूल करा सकते हैं या टिकट कैंसिल करके पूरा रिफंड ले सकते हैं। कंपनी ने कहा कि हमारी मिडिल ईस्ट के हालातों पर नजर बनी हुई है। दुबई और जेद्दा से फ्लाइट ऑपरेट की जा रही हैं।

'जनता का पैसा ...

लेकिन मां गंगा का पवित्र प्रवाह हमारे दिलों को जोड़ता है और हम सब को एक सूत्र में बांधने का काम करता है। सीएम ने कहा- बांग्लादेश से 1971 के बाद लगातार बड़ी संख्या में जो शरणार्थी आए। ऊधम सिंह नगर के आस पास सब मेरे घर के आस-पास लाखों की संख्या में शरणार्थी वहां पर हैं। उनके बीच में ही मैं भी पला बड़ा हूं। बाग्ला समाज के जितने भी त्योहार होते हैं। सब त्योहारों में मुझे जाने का अवसर मिला। चाहे वो काली पूजा हो या दुर्गा पूजा हो। सारे महोत्सवों के माध्यम से मुझे बांग्ला संस्कृति को नजदीक से जानने का मौका मिला। मैंने इस संस्कृति को गहराई से जानने का प्रयास किया। स्वामी विवेकानंद जैसे युगपुरुषों ने यहां से निकलकर पूरी दुनिया को दिशा देने का काम किया। शिकागो के सम्मेलन में उन्होंने ऐसा भाषण दिया कि पूरी दुनिया के अंदर भारत का यशगान हुआ।

प्रेमी ने महिला नेता की लाश जंगल में जलाई

श्रावस्ती में आधी रात वापस गया तो शव नहीं मिला

तमसा संकेत, एजेंसी

श्रावस्ती। यूपी के श्रावस्ती में किसान नेता आंचल मिश्रा की हत्या बॉयफ्रेंड ने की थी। पुलिस ने बुधवार को हत्याकांड का खुलासा कर दिया। पुलिस के मुताबिक, आंचल की ब्लैकमेलिंग से तंग आकर प्रेमी सूरज वर्मा ने जंगल में हत्या करके शव को जला दिया था। आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी ने कबूलनामे में बताया- आंचल और उसके बीच करीब 5 महीने से अफेयर था। आंचल उससे पैसे मांगती थी। इनकार करने पर झूठे केस में फंसाने की धमकी देती थी। ब्लैकमेल करती थी। वह अपनी जमीन बेचकर आंचल को एक लाख रुपए दे चुका था। आरोपी ने बताया कि बार-बार पैसे मांगने और ब्लैकमेलिंग से तंग आकर उसने 17 फरवरी को आंचल मिश्रा को मिलने के बहाने जंगल में बुलाया। सूरज

नशे में धुत था। उसने पहले आंचल के दुपट्टे से गला घोटकर उसकी हत्या कर दी। फिर सूखी पत्तियों से चेहरे को ढककर सिगरेट जलाने वाले लाइटर से आग लगा दी। इसके बाद वो वापस घर आ गया। बाद में जब उसका नशा उतरा तो देर रात आंचल को खोजने फिर से जंगल में गया, लेकिन उसे शव नहीं मिला। इसके बाद पति के साथ मिलकर आंचल को खोजने का नाटक करता रहा। सूरज ने आंचल के पति के साथ मिलकर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676